CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-20
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

हर छोटा बदलाव बड़ी कामयाबी का हिस्सा होता है

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 26 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सरकार का हलफनामा- वक्फ कानून के खिलाफ याचिकाएं गुमराह करने वाली

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता के खिलाफ याचिकाओं को खारिज करने की मांग की। केंद्र ने अधिनियम के किसी भी प्रावधान पर रोक लगाने का विरोध करते हुए कहा कि कानून में यह स्थापित स्थिति है कि संवैधानिक अदालतें किसी वैधानिक प्रावधान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक नहीं लगाएंगी। अदालतें मामले पर अंतिम रूप से निर्णय लेंगी। केंद्र ने कहा कि वक्फ-बाय-यूजर को वैधानिक संरक्षण से वंचित करने से मुस्लिम समुदाय के किसी व्यक्ति को वक्फ बनाने से वंचित नहीं किया जा सकता है। यहां एक जानबूझकर, उद्देश्यपूर्ण और भ्रामक कहानी बहुत ही शरारती तरीके से बनाई गई है कि जिन वक्फों (वक्फ-बाय-यूजर सहित) के पास अपने दावों का समर्थन करने के लिए दस्तावेज नहीं हैं, वे प्रभावित होंगे। यह न केवल असत्य और गलत है, बल्कि जानबूझकर इस अदालत को गुमराह करने वाला है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि विधायी शासन को प्रतिस्थापित करना, विधायिका द्वारा अधिनियमित किया जाना अस्वीकार्य है। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 वैध है। यह विधायी शक्ति का वैध प्रयोग है। संसद ने अपने अधिकार क्षेत्र में काम करते हुए यह सुनिश्चित किया कि वक्फ जैसे धार्मिक बंदोबस्तों का प्रबंधन किया जाए और उसमें विश्वास बनाए रखा जाए।

याचिकाएं झूठे आधार के साथ लगाई गई केंद्र ने कहा कि याचिकाएं इस झूठे आधार के साथ लगाई गई हैं कि संशोधन धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को छीन लेंगे। सुप्रीम कोर्ट विधायी क्षमता, अनुच्छेद 32 के तहत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर कानून की समीक्षा कर सकता है। संसदीय पैनल की ओर से व्यापक, गहन, विश्लेषणात्मक अध्ययन के बाद संशोधन किया गया है।

दस्तावेजी सबूत पर जोर नहीं दिया गया केंद्र ने कहा कि धारा 3(1)(आर) के प्रावधान के तहत वक्फ-बाय-यूजर के रूप में संरक्षित होने के लिए संशोधन में या उससे पहले भी किसी ट्रस्ट, डीड या किसी दस्तावेजी सबूत पर जोर नहीं दिया गया। प्रावधान के तहत संरक्षित होने के लिए एकमात्र अनिवार्य आवश्यकता यह है कि ऐसे वक्फ-बाय-यूजर को 8 अप्रैल, 2025 तक पंजीकृत होना चाहिए, क्योंकि पिछले 100 वर्षों से वक्फों को नियंत्रित करने वाले कानून के अनुसार पंजीकरण हमेशा अनिवार्य रहा है।

अतिक्रमण करने के लिए प्रावधानों का दुरुपयोग केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि निजी और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण करने के लिए प्रावधानों का दुरुपयोग किया गया है। मुगल काल से पहले स्वतंत्रता-पूर्व काल, स्वतंत्रता-पश्चात काल में कुल वक्फों की संख्या 18,29,163.896 एकड़ थी। चौंकाने वाली बात यह है कि 2013 के बाद वक्फ भूमि में 20,92,072.536 एकड़ की वृद्धि हुई।

वीडी सावरकर मानहानि मामला: सावरकर पर टिप्पणी के लिए नेता प्रतिपक्ष को फटकार, शीर्ष अदालत ने कहा- स्वतंत्रता सेनानियों पर टिप्पणी करने की किसी को इजाजत नहीं दी जाएगी

सुप्रीम कोर्ट बोला- राहुल गांधी को इतिहास-भूगोल नहीं मालूम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राहत तो दी, लेकिन फटकार भी लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ उत्तरप्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। राहुल को उनके खिलाफ दायर वीडी सावरकर मानहानि मामले में समन किया गया था। इसके साथ ही इस मामले में यूपी सरकार को भी सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। हालांकि सुप्रीम अदालत ने राहुल की टिप्पणी को गैरजिम्मेदार बताया। राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए अदालत ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ बयानों की इजाजत नहीं दी जाएगी। इस बार सावरकर हैं अगली बार कोई कहेगा कि महात्मा गांधी अंग्रेजों के नौकर थे। राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर उन्होंने अगली बार ऐसी बयानबाजी की तो वह स्वत-संज्ञा लेगा। अदालत ने कांग्रेस नेता से कहा कि वीर सावरकर जैसे लोगों ने हमें आजादी दिलाई थी और आप उनके साथ इस तरह का बर्ताव कर रहे हैं। यही नहीं राहुल गांधी को नसीहत देते हुए अदालत ने कहा कि भविष्य में कभी ऐसी टिप्पणी मत करना, अन्यथा अदालत उसका स्वत- संज्ञान ले सकती है। वीर सावरकर पर राहुल गांधी की 'माफीवीर' वाली टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का मजाक न उड़ाएं। बेंच ने राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि क्या राहुल गांधी को पता है कि महात्मा गांधी ने भी अंग्रेजों से लिखित संवाद में खुद के लिए 'आपका वफादार सेवक' शब्द का इस्तेमाल किया था।

आपत्तिजनक टिप्पणी कर इस तरह फंसे थे राहुल दरअसल यह पूरा मामला 2022 में शुरू हुआ था। तब राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली की थी। इसमें उन्होंने वीर सावरकर पर विवादित टिप्पणी कर दी थी। उन्होंने एक चिट्ठी दिखाते हुए कहा था कि सावरकर ने अंग्रेजों का नौकर बने रहने की बात कही थी। इसके साथ ही डरकर माफी भी मांगी थी। गांधी-नेहरू ने ऐसा नहीं किया, इसलिए वे सालों तक जेल में रहे। इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एक अधिवक्ता ने केस कर दिया था। हालांकि अदालत ने केस की सुनवाई के दौरान राहुल गांधी को नसीहत दी और ऐतिहासिक तथ्य भी गिनाए। बेंच ने कहा कि क्या आपको पता है कि महात्मा गांधी ने भी अंग्रेजों के साथ संवाद में खुद को 'वफादार सेवक' बताया था।

महात्मा गांधी भी खुद को लिखते थे 'अंग्रेजों का सेवक' जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि क्या आपके मुवक्किल को पता है कि महात्मा गांधी भी अपने पत्रों में खुद को अंग्रेजों का सेवक लिखते थे। क्या इस आधार पर यह मान लिया जाए कि महात्मा गांधी अंग्रेजों के सेवक थे। बता दें कि उस दौर में यह एक प्रचलन था और भले ही देश गुलाम था, लेकिन ब्रिटिश सरकार को संबोधित करते हुए लोग ऐसा लिखा करते थे। ऐसा ही महात्मा गांधी भी अपने पत्रों के आखिर में लिखते थे। दरअसल महात्मा गांधी भी जब अंग्रेजी सरकार को पत्र लिखा करते थे तो अकसर अंत में लिखते थे- इसका अर्थ हुआ- आपका वफादार सेवक बने रहने में मैं खुद को सम्मानित महसूस करूंगा। अब बात करते हैं कि महात्मा गांधी या फिर वीर सावरकर के लेटर्स में ऐसी भाषा इस्तेमाल करने का क्या उद्देश्य था। ब्रिटिशकालीन इतिहास पर नजर डालें तो उस दौरान यह परंपरा थी कि ब्रिटिश सरकार से संवाद में ऐसा लिखा जाता था। महात्मा गांधी, वीर सावरकर समेत कई नेताओं ने आजादी की लड़ाई लड़ी, जेल भी गए और आंदोलनों में भी हिस्सा लिया। इसके बाद भी जब पत्र लिखते थे तो उसकी यही भाषा होती थी। इसका कोई खास अर्थ नहीं था और इसके आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि किसी नेता की अंग्रेजों से वफादारी थी या वे ऐसा कोई वादा करते थे। यह महज एक औपचारिकता हुआ करती थी।

भूगोल और इतिहास की जानकारी नहीं है तो बोलना नहीं था जज ने कहा कि राहुल गांधी को फ्रीडम फाइटर्स पर गैर-जिम्मेदाराना बयान नहीं देने चाहिए। आप स्वतंत्रता के आंदोलनकारियों के बारे में ऐसी बात नहीं कर सकते, जब आपको देश के इतिहास और भूगोल के बारे में कोई जानकारी न हो। अदालत ने कहा कि राहुल गांधी का एक कद है। वे एक दल के नेता हैं। आप कैसे इस तरह का विवाद खड़ा कर सकते हैं?

राहुल को याद दिलाई दादी इंदिरा गांधी जस्टिस दत्ता ने राहुल गांधी के वकील अभिषेक सिंघवी से कहा कि क्या आपके मुवक्किल को पता है कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने भी इस सज्जन (सावरकर) की प्रशंसा करते हुए एक पत्र भेजा था। अगर इतिहास पता होता तो वह स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करते।

आप महाराष्ट्र में ऐसा बयान देते हैं...जहां पूजनीय हैं सावरकर अदालत ने राहुल गांधी से कहा कि आप महाराष्ट्र जाते हैं और ऐसा बयान देते हैं, जहां उनकी (सावरकर) पूजा की जाती है। ऐसा न करें। आपने ऐसा बयान क्यों दिया? अदालत ने इसके बाद एक और उदाहरण देते हुए कहा कि ब्रिटिशकाल में कलकत्ता हाईकोर्ट के जज चीफ जस्टिस को पत्र लिखने के बाद खुद को वफादार सेवक लिखा करते थे। बेंच ने कहा कि इस तरह कोई किसी का सेवक या नौकर नहीं हो जाता। अगली बार कोई कहेगा कि महात्मा गांधी अंग्रेजों के नौकर थे। आप इस तरह के बयानों को बढ़ावा दे रहे हैं।

राहुल ने शीर्ष अदालत का रुख किया था राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें मामले में उनके खिलाफ जारी समन को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। पेशे से वकील पांडे ने राहुल गांधी के खिलाफ वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और सार्वजनिक शरारत जैसे कथित अपराधों के लिए विभिन्न दंड प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कराया था। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे को नोटिस जारी किया और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ निचली अदालत के समन को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था।

1.25 करोड़ कर्मचारियों को फायदा, पीएफ खाता ट्रांसफर करना अब आसान

नई दिल्ली। करोड़ों नौकरीपेशा लोगों के लिए अच्छी खबर है। सरकार ने एक बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, रिटायरमेंट फंड बॉडी ईपीएफओ ने नौकरी बदलने पर पीएफ खाता ट्रांसफर करने की प्रक्रिया को सरल बना दिया है। अब अधिकांश मामलों में नियोक्ता से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि अब तक भविष्य निधि (पीएफ) जमा के स्थानांतरण में दो कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) कार्यालय शामिल होते थे। इनमें एक स्रोत कार्यालय, जहां से पीएफ राशि को स्थानांतरित किया जाता था और दूसरा गंतव्य कार्यालय, जहां अंतिम रूप से राशि जमा की जाती थी। हालांकि, अब इस प्रक्रिया को अधिक सरल बनाने के उद्देश्य से ईपीएफओ ने एक संशोधित फॉर्म-13 सॉफ्टवेयर व्यवस्था शुरू करके गंतव्य कार्यालय में सभी स्थानांतरण दावों के अनुमोदन की जरूरत खत्म कर दी है।अब एक बार ट्रांसफर क्लेम सोर्स कार्यालय में अप्रूव हो जाता है, तो पिछला खाता ऑटोमेटिक अगले ऑफिस में मेंबर्स के वर्तमान खाते में ट्रांसफर हो जाएगा, जिससे ईपीएफओ के सदस्यों की सुगमता का उद्देश्य पूरा होगा। यह संशोधित व्यवस्था पीएफ संचय के कर-योग्य और गैर-कर योग्य घटकों का विभाजन भी प्रदान करती है, जिससे कर-योग्य पीएफ ब्याज पर टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) की सटीक गणना की सुविधा मिलती है। मंत्रालय ने कहा कि इससे 1.25 करोड़ से अधिक सदस्यों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे हर साल लगभग 90,000 करोड़ रुपये का स्थानांतरण संभव होगा, क्योंकि इसके बाद संपूर्ण अंतरण प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कबूली आतंकियों को पनाह देने की बात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान आतंकवादियों का देश है यह तो पूरी दुनिया जानती है। लेकिन पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्काई न्यूज पर कबूल किया है कि पाकिस्तान कई दशकों से आतंकवाद में शामिल रहा है। ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि पाकिस्तान, अमेरिका और ब्रिटेन के लिए आतंकवाद को फैलाता रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कबूल किया है कि पाकिस्तान, दशकों से आतंकवादी समूहों को समर्थन करने, सहायता करने और उन्हें फंड देने में शामिल रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच ब्रिटेन स्थित स्काई न्यूज को ख्वाजा आसिफ ने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान 30 वर्षों से ज्यादा समय से अमेरिका के लिए यह 'गंदा काम' कर रहा है। स्काई न्यूज पर इंटरव्यू के दौरान आतंकवादियों को धन मुहैया कराने में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर जब ख्वाजा आसिफ से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए करीब तीन दशकों से यह गंदा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का यह फैसला एक गलती थी और उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। यानी पाकिस्तान की सरकार ने अब कबूल किया है कि वो आतंकवाद में शामिल रही है। इसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या आतंकवादियों की मदद करने वाले देश का दुनिया बहिष्कार करेगी? पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में शामिल नहीं होते और बाद में 9/11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते... तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता। इसके अलावा आतंकवादी गतिविधियों के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराने के लिए अमेरिका के फैसलों को लेकर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि बड़ी शक्तियों के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराना सुविधाजनक है, जिसने 80 के दशक में सोवियत संघ के खिलाफ उनकी तरफ से युद्ध लड़ा था। आज के ये सभी आतंकवादी, वाशिंगटन में सो रहे थे और खाना खा रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां तक कि अमेरिका ने भी अफगानिस्तान में सोवियत संघ से लड़ने के लिए आतंकवादियों को प्रॉक्सी के रूप में इस्तेमाल किया।

कारों की तरह अब ट्रकों और भारी वाहनों का भी क्रैश टेस्ट होगा

नई दिल्ली। सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से देश में कारों की तरह अब ट्रकों और अन्य भारी वाणिज्यिक वाहनों का भी क्रैश टेस्ट होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ट्रकों और भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए सुरक्षा मूल्यांकन रेटिंग शुरू करने की योजना बना रहा है। यह मूल्यांकन देश के अपने क्रैश (वाहनों की टक्कर) टेस्ट कार्यक्रम भारत एनसीएपी (न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम) की तर्ज पर होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्लोबल न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम (जीएनसीएपी) और सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कहा कि इसका उद्देश्य विनिर्माताओं को उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वाहन अधिक सुरक्षित बन सकें। भारत एनसीएपी 2023 में पेश किया गया था। गडकरी ने कहा कि भारत में हर साल सबसे अधिक घातक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। देश में हर साल करीब 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.8 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यह आंकड़ा चिंताजनक है।? गडकरी ने कहा कि सरकार बैटरी चालित ई-रिक्शा के लिए मानकों और सुरक्षा मूल्यांकन प्रणाली पर पहले से ही काम कर रही है, क्योंकि उनको लेकर सुरक्षा संबंधी समस्याएं हैं। ई-रिक्शा में सुरक्षा सुधार से उनकी गुणवत्ता बेहतर होगी और अधिक रोजगार पैदा होगा। मंत्री ने कहा, सड़क मंत्रालय ट्रक चालकों के काम के घंटे निर्धारित करने के लिए एक कानून पर भी काम कर रहा है क्योंकि वर्तमान में वे प्रतिदिन 13-14 घंटे गाड़ी चलाते हैं। सरकार कुछ वर्षों में लॉजिस्टिक लागत को 14-16 फीसदी से घटाकर 9 फीसदी करने परकाम कर रही है। सरकार की प्राथमिकता सड़क सुरक्षा, सुरक्षित राजमार्गों का विस्तार, वाहन सुरक्षा और ई-वाहनों को बढ़ावा देना है।

सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने की घोषणा के बाद जल शक्ति मंत्रालय की बैठक

पाकिस्तान को एक बूंद भी पानी नहीं देंगे

नई दिल्ली। कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान के खिलाफ एक के बाद एक सख्त फैसले ले रहा है। आतंकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान को आइना दिखाते हुए भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने की घोषणा की थी। अब पाकिस्तान के साथ 'सिंधु जल समझौता स्थगित' करने पर शुक्रवार को जल शक्ति मंत्रालय की बैठक हुई। इसे 3 चरणों में पूरा करने का फैसला लिया गया है। बैठक के बाद केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि इसे लेकर 3 तरह की रणनीति बना रहे हैं। पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। यह बैठक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर पर हुई। इसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर और जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल शामिल हुए थे। हालांकि 3 चरणों और 3 तरह की रणनीति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। भारत सरकार ने पाकिस्तान को सिंधु नदी के पानी के प्रवाह को रोकने का फैसला किया है। इसके लिए सिंधु बेसिन नदियों के किनारे बांधों की क्षमता बढ़ाई जाएगी, जिसमें ज्यादा से ज्यादा पानी रोकने की क्षमता होगी। मोदी सरकार तीन टर्म में अपने फैसले को लागू करने का प्लान बना रही है। पानी को रोकने की तैयारी शुरू जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने सिंधु जल संधि को लेकर भारत सरकार के नए रुख की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंधु जल संधि के तहत जो निर्णय किया गया है, उसका पूरी तरह से पालन किया जाएगा, लेकिन अब इसे टर्म यानी तीन चरणों- तुरंत, मिड टर्म और लॉन्ग टर्म में लागू किया जाएगा। मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत से पाकिस्तान को एक बूंद भी पानी न जाए, इसकी पूरी व्यवस्था की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोकने की तैयारी शुरू कर दी गई है और इसका असर जल्द ही देखा जा सकेगा। सरकार बांधों की क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करेगी और गाद हटाकर अधिक पानी को संग्रहित किया जाएगा।

वर्ल्ड बैंक को दे दी गई जानकारी वर्ल्ड बैंक, जिसने सिंधु जल संधि कराई थी, को भी भारत सरकार के इस निर्णय की जानकारी दे दी गई है। इस फैसले पर तुरंत अमल शुरू किया जा रहा है। इसको लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि पाकिस्तान में सिंधु नही का एक बूंद पानी भी नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने एक्स पर लिखा- मोदी सरकार द्वारा सिंधु जल संधि पर लिया गया ऐतिहासिक निर्णय पूर्णतः न्यायसंगत और राष्ट्रहित में है। हम ख्याल रखेंगे कि पाकिस्तान में सिंधु नदी का एक बूंद पानी भी नहीं जाए।

भारत ने पाक को आधिकारिक रूप से दी जानकारी भारत सरकार ने संधि को निलंबित करने के अपने फैसले को लागू करने के लिए एक औपचारिक अधिसूचना जारी की और गुरुवार को इसे पाकिस्तान को सौंप दिया। अधिसूचना में कहा गया है कि सिंधु जल संधि को स्थगित रखा जा रहा है, जिससे सिंधु आयुक्तों के बीच बैठकें, डेटा साझा करना और नई परियोजनाओं की अग्रिम सूचना सहित सभी संधि दायित्वों को प्रभावी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

शासकीय कार्य में बाधा डालने के मामले में जीतू पटवारी की कोर्ट में हुई पेशी

इंदौर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी शुक्रवार को जिला कोर्ट में पेश हुए। यह पेशी विधानसभा उपचुनाव के दौरान दर्ज एक मामले के संबंध में थी, जिसमें छोटी ग्वालटोली पुलिस ने पटवारी समेत अन्य कांग्रेस नेताओं पर शासकीय कार्य में बाधा डालने का केस दर्ज किया था। आरोप है कि इन नेताओं ने मौके पर धरना-प्रदर्शन कर शासकीय कार्य में हस्तक्षेप किया था। साथ ही, कोरोना काल में प्रदर्शन करने के मामले में भी पटवारी के खिलाफ सुनवाई हुई। सुबह पटवारी अपने समर्थकों के साथ कोर्ट पहुंचे। पेशी के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने कोर्ट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि कोविड काल में जब जनहित की स्थिति बेहद गंभीर थी, तब विपक्ष की भूमिका निभाते हुए उन्होंने आवाज उठाई। अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन और जरूरी संसाधनों की भारी कमी थी। उन्होंने कहा कि उस कठिन समय

में सरकार की लापरवाही को उजागर करना जरूरी था और इसी को लेकर उन्हें कोर्ट में बुलाया गया था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका कोई गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं हुआ था। पटवारी ने नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे के मामले को भी उठाया। उन्होंने बताया कि चिंटू चौकसे पर धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया गया है, जबकि उन्होंने सिर्फ नगर निगम में 2 हजार करोड़ की कथित चोरी का मुद्दा उठाया था। इस भ्रष्टाचार में अधिकारी, एमआईसी सदस्य और पार्षद शामिल हैं। पटवारी ने बताया कि निगम के लगभग 2 हजार कर्मचारी अधिकारियों और नेताओं के निजी कार्यों में अटैच हैं, जबकि उनकी तनख्वाह शहर की जनता के पैसे से दी जाती है। जब चौकसे ने इस मामले को उजागर किया तो उन पर केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया। एडवोकेट संतोष यादव ने जानकारी दी कि 2018 के सांवेर उपचुनाव के दौरान एक समर्थक पर जिला बदर की कार्रवाई की गई थी। इसके विरोध में कांग्रेस नेताओं ने डीआईजी को ज्ञापन सौंपा था, जिसके चलते कुछ कांग्रेस नेताओं पर वारंट जारी किए गए थे। शुक्रवार को उसी मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान पंकज संघवी, विनय बाकलीवाल समेत 15-16 कांग्रेस नेताओं की जमानत पर भी सुनवाई होनी थी। कोर्ट ने प्रदेश अध्यक्ष पटवारी को उपस्थित होने के निर्देश दिए थे, हालांकि उन्हें मेडिकल आधार पर माफी मिल गई थी, इसलिए उनके खिलाफ वारंट जारी नहीं किया गया। अब तक इस मामले में 20 से 25 पेशियां हो चुकी हैं।

सांसद शंकर लालवानी बोले- पाकिस्तान से आए सिंधी शरणार्थी वापस नहीं जाएंगे

इंदौर। इंदौर से सांसद शंकर लालवानी ने पाकिस्तान से भारत आए सिंधी शरणार्थियों के संबंध में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए यह स्पष्ट किया कि लंबी अवधि के वीजा (एलटीवी) पर भारत आए सिंधी हिंदू शरणार्थियों को किसी भी स्थिति में वापस नहीं भेजा जाएगा। विशेष बात यह रही कि उन्होंने यह वीडियो पूरी तरह सिंधी भाषा में जारी किया, जिससे संदेश सीधे समुदाय तक उनकी मातृभाषा में पहुंच सके। सांसद लालवानी ने बताया कि इन शरणार्थियों की सुरक्षा और भविष्य केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि नागरिकता प्रक्रिया को सरल बनाकर इन्हें जल्द भारतीय नागरिकता देने के प्रयास किए जा रहे हैं। सांसद लालवानी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कई सिंधी शरणार्थी अपने भविष्य को लेकर दुविधा में थे। उनका यह आश्वासन सिंधी समुदाय के लिए राहतभरा माना जा रहा है। उन्होंने

कहा कि वे लगातार सिंधी समुदाय के अधिकारों की पैरवी कर रहे हैं और सरकार भी इस दिशा में गंभीर है। इस संदेश से उन हजारों सिंधी शरणार्थियों को मानसिक शांति मिली है जो वर्षों से भारत में रह रहे हैं और नागरिकता की प्रक्रिया की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश में 3 हजार सिंधी परिवार

मध्यप्रदेश में लगभग 3 हजार सिंधी परिवार ऐसे हैं जो पाकिस्तान से शॉर्ट टर्म वीजा पर आए और यहीं बस गए। इनमें से अधिकांश भोपाल और इंदौर में निवास करते हैं। ये परिवार पिछले सात से पच्चीस वर्षों से भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर रहे हैं। पूज्य सिंधी पंचायत के अनुसार, इन मामलों में देरी के बावजूद केंद्र सरकार ने भोपाल और इंदौर के कलेक्टरों को नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है। उल्लेखनीय है कि देशभर में बसे पाकिस्तानी नागरिकों में से करीब 50 फीसदी इंदौर में रहते हैं, जो मुख्यतः सिंध प्रांत, विशेषकर कराची से सटे क्षेत्रों से आए हैं।

डर से भागकर आए, अब भारत में पा रहे अपनापन

इंदौर में रह रहे कई सिंधी शरणार्थियों ने बताया कि पाकिस्तान में लूटपाट और भय का माहौल आम था। भारत में उन्हें शांति और सुरक्षा महसूस होती है। हिंदी भाषा में कठिनाई के कारण ये लोग उर्दू में हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। एक शरणार्थी ने कहा कि उर्दू में हनुमान चालीसा पढ़ने से मन को शांति और ऊर्जा मिलती है। वे धीरे-धीरे हिंदी सीख रहे हैं और भारतीय समाज में घुलने-मिलने का प्रयास कर रहे हैं। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के लागू होने के बाद इंदौर प्रशासन ने नागरिकता के लिए एक विशेष डेस्क भी स्थापित किया है, जहां शरणार्थियों से पूछा जाता है कि क्या वे पाकिस्तान लौटना चाहते हैं या नहीं, और भारत के संविधान को मानने की शपथ दिलाने के बाद उन्हें नागरिकता दी जाती है।

'पिग्स एंड पाकिस्तानी नॉट अलाउड...', 56 दुकान में लगा पोस्टर हुआ वायरल

इंदौर। इंदौर का सबसे मशहूर और व्यस्त फूड मार्केट '56 दुकान' पर शुक्रवार को पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 28 निर्दोष लोगों की मौत के बाद पूरे देश में गुस्से की लहर है, लेकिन इंदौर ने विरोध का जो तरीका अपनाया, वह अनोखा और तीखा है।

व्यापारियों ने पाकिस्तान के मेजर जनरल असीम मुनीर को आतंकी हमले का जिम्मेदार ठहराते हुए मेजर का एक पोस्टर लगाया, जिसमें मुनीर को सुअर के रूप में दर्शाया गया है। यही नहीं, दुकानों के बाहर साफ तौर पर लिखा गया है- पिग्स एंड पाकिस्तानी सिटीजन्स आर नॉट अलाउड। यानी अब इस मार्केट में पाकिस्तानियों और सूअरों का प्रवेश वर्जित है। वहीं, लोगों ने इस पोस्टर पर न सिर्फ गुस्सा निकाला बल्कि जूतों से मारते हुए जमकर विरोध दर्ज कराया। व्यापारी संघ के अध्यक्ष गुंजन शर्मा ने कहा कि यह विरोध सिर्फ तस्वीर तक सीमित नहीं है, यहशहर की आत्मा का आक्रोश है। जिन लोगों ने धर्म पूछकर निर्दोषों की हत्या की, वे इंसान नहीं हो सकते। वे राक्षस हैं और हमने उन्हें सुअर की संज्ञा दी है। हम चाहते हैं कि ऐसी कायराना हरकत करने वालों को मौत से भी बड़ी सजा मिले। गुंजन शर्मा ने कहा कि अब हिंदुस्तान सजा का इंतजार नहीं करेगा, अब देश का हर नागरिक मौत का बदला मौत से चाहता है। पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने चंद दिनों पहले ही प्रवासी पाकिस्तानियों के एक सम्मेलन में किसी जिहादी मौलाना की तरह तकरीर की थी। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ भारत के खिलाफ जहर उगला था, बल्कि खुद को हिंदुओं का दुश्मन भी करार दिया था। जनरल मुनीर ने 16 अप्रैल को कहा कि हमारे पूर्वजों का मानना था कि हम जीवन के हर संभव पहलू में हिंदुओं से अलग हैं।

मंत्री तुलसी सिलावट ने सांवेर में किया एमआर 10 सड़क का भूमिपूजन

इंदौर। इंदौर के सांवेर में शुक्रवार को मंत्री तुलसी सिलावट और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने 32 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली एमआर 10 सड़क का भूमिपूजन किया। इस दौरान मंत्री सिलावट ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कहा कि देश आज आतंकी हमले से दुखी है, लेकिन भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ कठोर फैसले लेने में सक्षम है।

विकास और सुरक्षा दोनों में सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। भाजपा जो कहती है, वह करती है और इंदौर इसका सजीव उदाहरण है। सिलावट ने आगे कहा कि मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि विकास कार्यों के दौरान ना किसी का घर जाएगा, ना किसी की जमीन।

महापौर भार्गव ने कार्यक्रम के शुरुआत में हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना में दिवंगत नागरिकों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद उन्होंने कहा कि यह भूमिपूजन विकास का प्रतीक है, परंतु वर्तमान समय में जब देश शोक में है, तब हम उत्सव नहीं, बल्कि संकल्प के साथ यह शुरुआत कर रहे हैं।

इंदौर शहर के मास्टर प्लान के तहत 23 प्रमुख सड़कों का निर्माण एक साथ शुरू हुआ है, जिसकी कुल लागत 450 करोड़ रुपए है। इनमें से अकेले 100 करोड़ रुपए की सड़कें सांवेर क्षेत्र में बन रही हैं। यह इंदौर के इतिहास में पहली बार है जब इतने बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे पर काम एक साथ शुरू हुआ है। महापौर ने क्षेत्र में जल समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई पानी की टंकी का टेंडर स्वीकृत होने की जानकारी देते हुए कहा कि इंदौर की मौजूदा जनसंख्या के अनुपात में हमारे पास पानी की आपूर्ति आधी है। आने वाले सालों में 900 एमएलडी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य है, जिससे शहर की भविष्य की जरूरतें पूरी होंगी।

साथ ही महापौर ने बताया कि नगर निगम सीमा में शामिल 29 गांवों में विकास की गति तेज करने के लिए बजट में 5 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

आतंकी हमले से दुःखी होकर मुस्लिम धर्म छोड़ा, दरगाह पर हुआ सुंदर कांड का पाठ

इंदौर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इंदौर से बड़ी घटना सामने आई है। यहां एक दरगाह में न सिर्फ सुंदरकांड का पाठ हुआ बल्कि इस दरगाह के सेवक जो कभी हिन्दू से मुसलमान बन गए थे, उन्होंने अब दोबारा हिन्दू धर्म अपना लिया। मामला कुलकर्णी भट्टा का है। यहां एक दरगाह है जहां कुछ समय पहले तक कव्वाही की गूंज गूंजती थी। लेकिन अब यहां सुंदर कांड का पाठ हुआ। इसके अवाला यहां के सेवक ने भी दोबारा घर वापसी करते हुए हिन्दू धर्म अपना लिया। यह सब शुरू हुआ एक वायरल वीडियो से, जिसमें पार्षद जीतू यादव इस दरगाह को अवैध बता रहे थे।

वहीं दरगाह, जो पहले महज 10 बाय10 फीट की थी, अब 1000 से 2000 स्क्वायर फीट में फैल चुकी है। पार्षद जीतू यादव ने जब इसका विरोध किया था तो स्थानीय लोग एक हो गए और नजारा ही बदल गया टीम जब मौके पर पहुंची, तो वहां का दृश्य बदला हुआ था। दरगाह में सुंदरकांड का पाठ हो रहा था, लोग पूरी श्रद्धा में इससे जुड़े हुए थे, और प्रसाद बांटा जा रहा था। इसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए

लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई। दो मिनट का मौन, आंखों में नमी और दिलों में देश के लिए सम्मान, यह दृश्य हर किसी को भावुक कर देने वाला था।

वीडियो में जिस शख्स को जीतू यादव ने फटकार लगाई, उसने बाद में न सिर्फ अपना धर्म परिवर्तन किया, बल्कि खुद यह घोषणा भी की कि अब यहां कव्वाली कभी नहीं होगी, यहां सिर्फ हनुमान चालीसा गूंजेगी। दरगाह परिसर में भंडारे का भी आयोजन किया, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल हुए। यह कार्यक्रम धार्मिक सौहार्द और आपसी समझ का प्रतीक बन गया। दरगाह के सेवक श्यामलाल ने बताया था कि वे पहले हिंदू थे जिसके बाद इस दरगाह की सेवा करते-करते उन्होंने मुस्लिम धर्म अपना लिया था, लेकिन पहलगाम का जो आतंकी हमला हुआ उसके बाद उसे आतंकवादियों से नफरत हुई और उसने फिर से हिंदू धर्म अपना लिया है।

श्यामलाल से बन गए थे शाहबुद्दीन

श्यामू मूल रूप से हिंदू थे, लेकिन कव्वाली और सूफी संगीत से प्रभावित होकर उन्होंने इस्लाम धर्म अपना लिया था। दरअसल इंदौर के कुलकर्णी भट्टा में रहने वाले श्यामलाल निनोरी क्षेत्र की ग्वालियर ऑयल मिल की जमीन पर बनी सैयद निजामुद्दीन की दरगाह पर देखरेख करते थे, जहां क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें मुस्लिम मान लिया। जहां लोगों ने श्यामलाल का नाम बदलकर शाहबुद्दीन कर दिया और श्यामलाल भी खुद को शहाबुद्दीन मानने लगे और पिछले 40 सालों से निजामुद्दीन दरगाह की सेवा में लगे रहे। पिछले दिनों पहलगाम में हुए हमले में हिन्दू परिवारों की मौत से दुखी होकर शाहबुद्दीन उर्फ श्यामलाल का हृदय परिवर्तन हुआ और उन्होंने क्षेत्रीय पार्षद जीतू यादव की पहल पर धर्म परिवर्तन करने का मन बनाया और हिन्दू धर्म अपनाते हुए दरगाह परिसर में कव्वाली की जगह सुंदरकांड का पाठ करवाया। इस दौरान उन्होंने पहलगाम में मारे गए हिंदुओं को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद जीतू यादव और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

घर वापसी की लंबे समय से थी कोशिश

इस मामले में पूर्व पार्षद जीतू यादव ने बताया कि वे और अन्य लोग काफी समय से श्यामू की घर वापसी के प्रयास में जुटे थे। उन्होंने कहा कि जब पहलगाम में कायराना हमला हुआ, हमने इसकी पूरी जानकारी श्यामू के परिवार को दी। इसके बाद परिवार ने विचार कर यह निर्णय लिया कि मुस्लिम धर्म में रहना उचित नहीं। जीतू यादव ने बताया कि यह फैसला पूरी तरह से पारिवारिक और आत्मचिंतन का परिणाम है।

निजी हॉस्टल में रहने वाले छात्र के साथ बाहरी युवकों ने की मारपीट

इंदौर। इंदौर के लसूडिया क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक निजी हॉस्टल में रहने वाले छात्र के साथ बाहरी युवकों ने जमकर मारपीट कर दी। युवती को लेकर हुई कहासुनी के बाद विवाद इतना बढ़ा कि हमलावरों ने हॉकी, डंडे और बेल्ट निकालकर छात्र पर हमला कर दिया। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जो आसपास मौजूद लोगों ने बनाए। फिलहाल पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी की तलाश जारी है। घटना गुरुवार रात करीब 2 बजे की है। लसूडिया पुलिस के एसआई मुकेश झारिया टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक प्रेस्टीज कॉलेज का छात्र रोहन तिवारी, जो पास के निजी हॉस्टल में रहता है, रात को टहल रहा था। तभी कार में सवार अभिमन्यु, प्रांजय और उनके अन्य साथी वहां पहुंचे और रोहन को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। हमला इतना अचानक और तेज था कि हॉकी, डंडे और बेल्ट का इस्तेमाल किया गया।

मारपीट की आवाज सुनकर जब हॉस्टल में मौजूद रोहन के दोस्त नीचे आए और बचाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कुछ देर में दो आरोपियों को पकड़ लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मारपीट की जड़ में एक युवती को लेकर हुआ विवाद है। दरअसल, आरोपी युवकों के दोस्त प्रभांसु पांडे की किसी युवती को लेकर मोबाइल पर छात्र रोहन तिवारी से बहस हुई थी, जिसके बाद हमले की योजना बनाई गई।

लसूडिया पुलिस के अनुसार मारपीट करने वाले युवक इंदौर के बाहर के रहने वाले हैं। उनकी कार और अन्य वाहनों की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में घायल छात्र रोहन तिवारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है।

सीसीटीवी फुटेज आए सामने

अस्पताल में मारपीट के दौरान मौजूद थे कांग्रेस नेता चिंटू चौकसे

इंदौर। इंदौर के भंडारी अस्पताल में विधायक प्रतिनिधि कपिल पाठक और नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे के बीच हुए विवाद को लेकर एक के बाद एक नए वीडियो सामने आ रहे हैं। इन वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे घटनास्थल पर मौजूद थे। वे अस्पताल परिसर में अंदर-बाहर आते-जाते दिख रहे हैं और अन्य लोगों को बाहर भेजते नजर आते हैं। वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि जब मारपीट हो रही थी, तब चिंटू चौकसे वहीं थे, लेकिन उन्होंने मारपीट रोकने का कोई प्रयास नहीं किया। इसके अलावा, एक वीडियो में चौकसे गेट पर खड़े होकर मोबाइल पर बात करते नजर आते हैं, वहीं कपिल पाठक और उनके परिजन गेट के बाहर खड़े दिखाई देते हैं। इस पूरे मामले की शुरूआत बीते शनिवार रात हुई, जब हीरा नगर थाना क्षेत्र के सुखलिया में कपिल पाठक और चिंटू चौकसे के परिजनों के बीच पानी के टैंकर को लेकर विवाद हुआ। विवाद इतना

बढ़ा कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई, जिसमें कपिल घायल हो गए। इसके बाद चौकसे के समर्थकों ने कपिल के घर के बाहर हंगामा किया और उनकी कार को भी नुकसान पहुंचाया। घायल कपिल जब इलाज के लिए भंडारी अस्पताल पहुंचे, तो वहां भी उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना के बाद पुलिस ने चिंटू चौकसे समेत आठ लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चिंटू चौकसे को रविवार को गिरफ्तार किया और उनका मेडिकल परीक्षण करवाकर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस मामले में अब तक तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं दूसरी ओर, चिंटू चौकसे के परिजनों की शिकायत पर कपिल पाठक समेत चार लोगों पर भी केस दर्ज किया गया है। दोनों पक्षों की ओर से मामला अब कानूनी प्रक्रिया में चल रहा है और पुलिस जांच कर रही है। कांग्रेस ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए एक सीसीटीवी फुटेज जारी किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया कि घटना के वक्त चिंटू चौकसे एक भंडारे में मौजूद थे। हालांकि, भंडारी अस्पताल के वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस के इस दावे पर सवाल उठने लगे हैं। इन वीडियो में अस्पताल परिसर में कपिल पाठक के साथ मारपीट होती साफ नजर आ रही है। वीडियो सामने आने के बाद कपिल के परिजन और भाजपा समर्थक विजय नगर थाने पहुंचे और अस्पताल में हुई मारपीट की शिकायत की। इसी दिन दोपहर में चिंटू चौकसे की पत्नी माधवी चौकसे भी पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचीं और अपना पक्ष रखा।

भोपाल में पहलगाम आतंकी हमले का किया विरोध

जुमा नमाज के बाद सड़कों पर उतरा मुस्लिम समाज,कल आधे दिन भोपाल बंद

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पहलगाम आतंकी हमले का विरोध राजधानी भोपाल में लगातार जारी है। शुक्रवार को जुमा नमाज के बाद मुस्लिम समाज सड़कों पर उतरा और विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और आतंकियों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। आतंकवाद का पुतला दहन किया। प्रदर्शन में महिला और बच्चे भी शामिल हुए।एमपी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल ने सभी काजी, इमाम और मुअज्जिन से इस पहलगाम नरसंहार का कड़ा विरोध करने की अपील की है। प्रदर्शन में शामिल मुस्तकीम कुरैशी ने कहा कि यह घटना इंसानियत का कत्ल है। प्रधानमंत्री

से हम यह कहना चाहते हैं कि पाकिस्तान की बॉर्डर खोल दो और हिंदुस्तान के मुसलमान को बॉर्डर पर छोड़ दो। हम साबित कर देंगे हम देश के वफादार मुसलमान है। आतंकवाद किसी धर्म या देश का प्रतिनिधित्व नहीं करता और इसके अपराधियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

सभी धर्म, पंत, जाति एवं समुदाय के लोग गहरे शोक में

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल ने कहा कि इस हृदय विदारक घटना से देश के सभी धर्म, पंत, जाति एवं समुदाय के लोग गहरे शोक में हैं और जिन्होंने अपना जीवन खोया है, उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट करते हैं। वहीं उन्होंने अपील करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के सभी काजी, इमाम और मुअज्जिन साहिबान के साथ ही सभी सामाजिक संगठनों से गुजारिश हैं कि इस दुख की घड़ी में आतंक के खिलाफ आवाज़ उठाने, जुमे के खुतबे में और नमाज के बाद भी इस घटना की निंदा करते हुए दोषियों और उनके पनाहगार पाकिस्तान का विरोध करते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की अपील की है। साथ ही सनवर ने कहा कि उन लोगों के लिए दुआऐं करें जिन्होंने अपना जीवन खोया है।

कल 26 अप्रैल को भोपाल आधे दिन बंद

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में कल 26 अप्रैल को भोपाल आधे दिन बंद रहेगा। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) ने बंद का आह्वान किया था। जिसका शहर के व्यापारिक संगठनों ने समर्थन किया है। चेंबर के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली ने बताया कि आतंकी हमले के मद्देनजर मृतकों के परिवारजनों के साथ खड़े होने एवं इस निर्मम आतंकी हमले के विरोध प्रदर्शन स्वरूप यह बंद बुलाया है। दोपहर 12 बजे व्यापारी मृतकों को श्रद्धांजलि भी देंगे। कोहेफिजा स्थित ऑफिस में कार्यक्रम रखा गया है।

इमरजेंसी सेवा जारी रहेगी

बंद के दौरान इमरजेंसी सेवा यानी, थोक दवा बाजार और मेडिकल स्टोर्स खुले रखे जाएंगे। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि जरूरी सेवा होने की वजह से दुकानें खुली रखेंगे, लेकिन बंद का पूरा समर्थन है। श्रद्धांजलि सभा में केमिस्ट शामिल होंगे।

भोपाल में मुस्लिम युवकों के शातिर गिरोह का पर्दाफाश

हिंदू बनकर छात्राओं से दुष्कर्म फिर वीडियो बनाकर करते ब्लैकमेल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के एक प्रतिष्ठित कॉलेज की चार छात्राओं के साथ मुस्लिम युवकों के एक गिरोह द्वारा हिंदू युवक बनकर दोस्ती करने, फिर पहली मुलाकात में दुष्कर्म का वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करने के साथ गांजा पिलाने और मांस खिलाकर उन्हें मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने का खुलासा हुआ है। आरोपी इतने शातिर हैं कि एक बार एक युवती से शारीरिक संबंध बनाने के बाद उसका वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दूसरी युवती से दोस्ती कराने और उसके साथ संबंध बनाने के लिए दबाव बनाते थे। टीआईटी कॉलेज के पूर्व छात्र फरहान वर्ष 2020 में कॉलेज की छात्रा के साथ पहली बार दुष्कर्म किया था। इसके बाद से यह गिरोह कई युवतियों को अपने जाल में फंसाकर ब्लैकमेल कर दुष्कर्म कर चुका है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के मोबाइल जांच में कई हिंदू युवतियों के मोबाइल नंबर मिले हैं, जिनमें कई बार बात हुई है। जांच के लिए गठित एसआईटी जेल में बंद दोनों आरोपियों को दोबारा रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। आरोपियों ने बैतूल की दो सगी बहनों के साथ दरिंदगी की है। पहले बड़ी को अपनी जाल में फंसाया, इसके बाद दोस्ती कर छोटी बहन से दुष्कर्म का उसका भी वीडियो बना लिया। बदनामी के डर से प्रकरण दर्ज कराने के बाद दोनों बहनें बैतूल चली गई हैं।

फरहान और साद की गिरफ्तारी, शाहिल और अली की तलाश

पुलिस ने दरिंदगी के इस मामले को कई दिनों तक छिपाए रखा। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रकरणों को अलग-अलग थानों को जांच के लिए सौंप दिया, ताकि मीडिया की सुर्खियां न बन सके। मामला मीडिया में सामने आने के बाद पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने एसआईटी का गठन कर दिया है। पुलिस के अनुसार फरहान जहांगीराबाद का रहने वाला है, जबकि साद अशोका गार्डन निवासी है। फरहान ने पहली बार जिस युवती से दरिंदगी की उसका वीडियो बनाकर अन्य युवतियों से संबंध बनाए। इतना ही नहीं फरहान ने अबरार नामक एक अन्य युवक से भी पीड़ित युवती को शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था।

छोटी बहन से दरिंदगी के बाद टूटा सब्र का बांध

पुलिस के अनुसार फरहान ने टीआईटी कॉलेज की जिस छात्रा के साथ पहली बार 2022 में दुष्कर्म किया था वो बैतूल की रहने वाली है। उसके जरिए वह करीब आधा दर्जन हिंदू युवतियों को अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग मुस्लिम लड़कों के साथ दुष्कर्म कराकर उनका वीडियो बनवाकर उन्हें ब्लैकमेल करता रहा। बैतूल निवासी युवती की छोटी बहन भी पिछले वर्ष भोपाल में पढ़ने आई। अशोका गार्डन स्थित कमरे पर एक दिन पीड़िता की छोटी बहन गुमशुम बैठी थी। बड़ी बहन ने पूछा कि क्या हुआ। तब छोटी बहन ने बताया कि दीदी आपका दोस्त फरहान ने मेरे साथ दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर रहा है। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दूसरे युवकों के साथ संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा है। इसके बाद 24 वर्षीय उक्त छात्रा के सब्र का बांध टूट गया और वह अपनी छोटी बहन को इस दलदल में फंसता देख बागसेवनिया थाने पहुंची और प्रकरण दर्ज कराया, क्योंकि फरहान ने पहली बार बागसेवनिया क्षेत्र में स्थित एक होटल में ही पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया था। इसके बाद जहांगीराबाद स्थित एक घर में भी दरिंदगी की थी। भोपाल की एक प्रतिष्ठित कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं को धर्म विशेष के युवकों द्वारा हिंदू युवक बनकर दोस्ती कर उनसे दुष्कर्म कर वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने, गांजा पिलाने, मांस खिलाकर धर्म के प्रति घृणा उत्पन्न करने और मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने का खुलासा होने के बाद पुलिस मुख्यालय भी अलर्ट हो गया है। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में भोपाल पुलिस आयुक्त से पूरी रिपोर्ट तलब की है। पीएचक्यू द्वारा रिपोर्ट मांगे जाने के बाद इस कांड के जेल भेजे गए दोनों आरोपियों को फिर से रिमांड पर लेने की तैयारी पुलिस कर रही है। वहीं दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

बढ़ सकती है पीड़ितों और आरोपियों की संख्या

पुलिस की मानें तो इस कांड का पूरा खुलासा होने के बाद पीड़ित युवतियों की संख्या बढ़ सकती है। आरोपियों की संख्या भी और बढ़ सकती है, क्योंकि कई युवतियों को शिकार बनाए जाने की आशंका है। छात्राएं बदनामी और कॅरियर बर्बाद होने के डर से चुप हैं। इस मामले में एक गिरोह बनाकर धर्म विशेष की युवतियों को टारगेट कर दरिंदगी की गई है। इसलिए पुलिस इस मामले में संगठित अपराध की धाराएं भी लगा सकती है।

भोपाल के सुभाष नगर आरओबी के थर्ड लेग का होगा निर्माण

सारंग बोले-फ्लाईओवर के ऊपर से होकर गुजरेगा थर्ड लेग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के सुभाषनगर आरओबी की 242 मीटर लंबी थर्ड आर्म 22 करोड़ रुपए से बनेगी। इससे 5 लाख लोगों को फायदा मिलेगा। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को सुभाष नगर आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) के प्रस्तावित थर्ड लेग निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की रूपरेखा का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग (सेतु), नगर निगम, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने सभी संबंधित अधिकारियों के साथ मार्ग का अवलोकन कर थर्ड लेग निर्माण में आने वाली संभावित बाधाओं की समीक्षा कर उन्हें दूर करने के भी निर्देश दिए।

फ्लाईओवर के ऊपर से होकर गुजरेगा फ्लाईओवर का थर्ड लेग

सारंग ने बताया कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से अब तक 10 फ्लाईओवरों की सौगात दी है।

विगत वर्ष बने सुभाष नगर आरओबी से 5 लाख नागरिकों को सुविधा मिल रही है। अब इसी आरओबी का विस्तार करते हुए इसका थर्ड लेग तैयार किया जाएगा। यह फ्लाईओवर, सुभाष नगर आरओबी के ऊपर से होकर गुजरेगा। थर्ड लेग से भेल क्षेत्र से आने-जाने वाले यात्रियों को एमपी नगर एवं न्यू भोपाल पहुंचने में और अधिक सुगमता होगी।

सिविल इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण

सारंग ने बताया कि यह थर्ड लेग तकनीकी दृष्टि से अत्यंत उन्नत होगा तथा सिविल इंजीनियरिंग का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेगा। यह फ्लाईओवर, सुभाष नगर आरओबी के ऊपर से होकर गुजरेगा और अत्यंत आकर्षक डिज़ाइन के साथ कर्व लेते हुए निर्मित किया जाएगा। इसके निर्माण में लगभग 242 मीटर का स्पान शामिल होगा और इसकी अनुमानित लागत लगभग 22 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि थर्ड लेग की डिजाइन तैयार हो चुकी है और निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान सभी संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर मार्ग में आने वाली संभावित बाधाओं की समीक्षा की गई एवं उन्हें दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।

सात लाख अधिकारियों-कर्मचारियों की ऑनलाइन कुंडली तैयार करेगी एमपी सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश के सात लाख अधिकारियों-कर्मचारियों की पूरी कुंडली सरकार तैयार करने जा रही है। इसमें कर्मचारी का पूरा ब्योरा रहेगा यानी सेवा में आने से लेकर सेवानिवृत्ति तक की समस्त जानकारियां ऑनलाइन रहेंगे। इसका लाभ यह होगा कि फर्जीवाड़े पर रोक लगेगी। जिस व्यक्ति ने राज्य लोक सेवा आयोग या फिर कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से भर्ती परीक्षा दी है, वही नौकरी कर पाएगा। उसके बायोमैट्रिक्स के आधार पर सत्यापन होगा। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने मानव संसाधन प्रबंधन सिस्टम तैयार किया है। कर्मचारियों की पूरी कुंडली अभी सेवा पुस्तिका में रहती है, जिसे मूल विभाग संधारित करता है। इसमें समय-समय पर होने वाली वेतनवृद्धि, पदोन्नति, गोपनीय चरित्रावली के आधार पर मिलने वाली श्रेणी, विभागीय जांच, आरोप पत्र की स्थिति, कब-कहां पदस्थ रहे, वेतनमान, छुट्टी सहित सभी विवरण रहता है। बार-बार यह शिकायत मिलती है कि इन्हें अद्यतन नहीं किया जा रहा है।

कर्मचारियों को इसकी प्रति नहीं मिलती

कई कर्मचारियों को इसकी प्रति तक नहीं मिलती है। इसके अभाव में पेंशन के निर्धारण में भी परेशानी आती है। कई बार ऐसे मामले भी सामने आते हैं कि अधिकारी या कर्मचारी को आरोप पत्र जारी किए गए हैं, पर इसका कहीं कोई रिकॉर्ड नहीं होता। इन सब स्थितियों को देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने मानव संसाधन प्रबंधन सिस्टम तैयार किया है।

इसमें कर्मचारियों की सभी तरह की जानकारियां ऑनलाइन रहेंगी। यदि किसी को कोई आरोप पत्र जारी करना है तो वो भी सिस्टम के माध्यम से ही होगा। इसके बाहर दिया गया नोटिस मान्य ही नहीं किया जाएगा। साथ ही जिस दिन कर्मचारी ज्वाइन करेगा, उस समय उसके द्वारा भर्ती एजेंसी को दिए गए आधार, फोटो, फिंगर प्रिंट और आइरिश ही मान्य किया जाएगा। इसका लाभ यह होगा कि जिस व्यक्ति ने परीक्षा दी, वही नौकरी भी करेगा। कुछ जगहों पर ऐसी शिकायतें सामने आईं थीं कि परीक्षा किसी ने दी और नौकरी कोई और कर रहा था। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने बताया कि हमारी तैयारी पूरी हो चुकी है। जल्द ही अधिकारियों-कर्मचारियों की कुंडली सबके सामने होगी।

डिवाइडर से टकराकर गिरा बाइक सवार, दूसरे वाहन ने कुचला

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मिसरोद इलाके में बाइक सवार युवक डिवाइडर से टकरा गया। सड़क पर गिरते ही भारी वाहन ने उसे कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा है। हादसा गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात का है। शुक्रवार की दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक औबेदुल्लागंज के रहने वाले अविनाश ठाकुर (36) अस्सी फीट रोड अशोका गार्डन भोपाल में फेब्रिकेशन की दुकान चलाते थे। गुरुवार रात करीब आठ बजे वह दुकान बंद कर बाइक से घर जाने के लिए निकले थे। रात करीब साढ़े आठ बजे अविनाश होशंगाबाद रोड स्थित ग्यारह मील के पास पहुंचे, तभी अचानक उनकी बाइक बेकाबू हो गई, जिससे वह डिवाइडर से टकराने के बाद बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। अविनाश के सड़क पर गिरते ही पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। गाड़ी का पहिया उनके सिर से होकर निकल गया था, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

अपना दल (एस) मध्य प्रदेश के सदस्यता अभियान में तेजी, कल भोपाल में होगी अहम बैठक

भोपाल। मध्य प्रदेश में अपनी संगठनात्मक ताकत को और मजबूत करने के लिए अपना दल (एस) 27 अप्रैल को भोपाल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करने जा रहा है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी के सदस्यता अभियान को गति प्रदान करना और आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर चर्चा करना है। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (युवा मंच) डॉ. अखिलेश पटेल के मार्गदर्शन में राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम करेंगे। इस बैठक में प्रदेशभर के कार्यकर्ता, प्रदेश पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष भी शामिल होंगे। डॉ. अखिलेश पटेल ने कहा कि यह बैठक मध्य प्रदेश में पार्टी की जमीनी स्तर पर पहुंच को और सशक्त करेगी। हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के हमारे संकल्प को मजबूत करना है। डॉ. अतुल मलिकराम ने बताया कि बैठक में सदस्यता अभियान के तौर-तरीकों, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और संगठन विस्तार पर विस्तृत चर्चा होगी।

यूका फैक्ट्री के आसपास 42 इलाकों में पानी की जांच

भोपाल के आरिफ नगर, अन्नू नगर भी पहुंची टीम; संगठनों ने भी दिखाए हालात

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के जेपी नगर स्थित यूनियन कार्बाइड के आसपास के 42 इलाकों में भूजल प्रदूषित है। जिसकी जांच करने के लिए शुक्रवार को टीम आरिफ नगर, अन्नू नगर समेत 19 इलाकों में पहुंची। गैस पीड़ित संगठनों ने टीम को हालात भी बताए। बाकी इलाकों में शनिवार को टीम जाएगी। प्रदूषित मोहल्लों में सुप्रीम कोर्ट के 30 अगस्त 2018 के आदेश के परिपालन में आज गठित निगरानी समिति के आदेश पर यह टीम पहुंची थी। भोपाल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनीत अग्रवाल की अध्यक्षता में 19 मोहल्लों का निरीक्षण

किया गया। भोपाल ग्रुप फॉर इनफॉर्मेशन एंड एक्शन की संयोजक रचना ढिंगरा ने बताया कि कारखाने के आसपास के 14 मोहल्लों के भूजल में कार्बाइड के जहर (हैवी मेटल्स, पेस्टिसाइड्स और परसिसटेंट आर्गेनिक पॉल्यूटेंट) मिलने के बाद इन सभी मोहल्लों में पाइप लाइन से साफ पानी मुहैया कराने के आदेश किए गए थे। 2012 में आईआईटीआर (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सीकोलॉजिकल रिसर्च) को इन 14 बस्तियों के अलावा 8 और मोहल्लों का पानी कार्बाइड के जहर से प्रदूषित मिला था। 2018 की रिपोर्ट के अनुसार 20 अन्य मोहल्लों में भूजल प्रदूषण फैला है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी मोहल्लों में पाइप लाइन से साफ पानी मुहैया कराने, सीवरेज का निर्माण करने और हर तीन महीने पर पानी की रिपोर्ट सार्वजनिक करने के आदेश 30 अगस्त 2018 को दिए थे।

पानी की सैंपलिंग की

शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान 19 मोहल्लों में पानी की सैंपलिंग की गई। भोपाल ग्रुप फॉर इनफॉर्मेशन एंड एक्शन और भोपाल गैस पीड़ित महिला-पुरुष संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने अन्नू नगर और आरिफ नगर में रहवासियों को अभी भी ट्यूबवेल से पानी मुहैया कराए जाने के साक्ष्य दिखाए। इसके साथ ही ब्लू मून कॉलोनी, प्रेम नगर, शिव शक्ति नगर, उड़िया बस्ती, शिव नगर, गरीब नगर, नवाब कॉलोनी में पाइप लाइन फूटी होने की वजह से या नाले के बीच होने की वजह से किस तरह लोग दूषित पानी पी रहे हैं, उसका भी निरीक्षण कराया।

कई इलाकों में आज तक नहीं दिए नल कनेक्शन

ढिंगरा ने बताया कि फूटा मकबरा, कैंची छोला, कल्याण नगर आदि मोहल्लों में लोगों को आज तक नल कनेक्शन नहीं दिए गए हैं।

संगठनों ने समिति को इन सभी 42 मोहल्लों की पानी की स्थिति, नाली के आभाव के कारण सीवरेज का पानी पीने के पानी में मिलने के फोटो और वीडियो के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट दी। जिसमें बताया है कि 70त्न से ज्यादा मोहल्लों में लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा है।

सम्पादकीय

पूर्व के अनुभवों से सबक लेते हुए विपक्ष ने सुधारी गलती

पहलगाम हमले के बाद विपक्ष ने अब तक सतर्क रूख अपनाया है। कांग्रेस ने सीडब्लूसी मीटिंग कर हमले के बाद सरकार को हर एक्शन पर अपना समर्थन देने का ऐलान किया। सूत्रों के अनुसार, तमाम दूसरे विपक्षी दलों ने अपने नेताओं को स्पष्ट रूप से चेताया कि वह कोई अनर्गल बयान नहीं दे। शुक्रवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पहलगाम आतंकवादी हमले के घायलों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। जम्मू-कश्मीर पहुंचे राहुल ने कहा कि हम सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयानक कार्रवाई की निंदा की है और उन्होंने पूरे देश का समर्थन किया है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक बार फिर पूरे देश में गुस्सा है। आम लोगों में एक बार फिर मोदी सरकार से आक्रामक जवाब की अपेक्षा है तो सरकार के सामने व्यवाहारिक चुनौतियां भी हैं। उधर, पूर्व के अनुभवों से सबक लेते हुए विपक्षी दल इस बार हमले के बाद संतुलित और तटस्थ रुख अपना रहा है। बिहार के मधुबनी जिले में गुरुवार को जब जनसभा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकी हमले के बाद पहली बार सार्वजनिक बयान दिया तो उसमें कहीं न कहीं इसी अपेक्षाओं का जवाब देने की कोशिश की गई। उन्होंने देश को भरोसा देने की कोशिश की जो उम्मीद रखी जा रही है उनकी सरकार उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेगी। अक्टूबर 2016 को भारत ने उड़ी हमले का बदला पाकिस्तान की सीमा पार कर सर्जिकल स्ट्राइक कर आतंकी ठिकानों को नष्ट कर लिया। फिर 2019 में पुलवामा में आतंकी हमले का बदला बालाकोट एयर स्ट्राइक कर लिया। इन दोनों घटना ने भारत देश की सियासत में नए तरह के राष्ट्रवाद को जन्म दिया। 2019 का आम चुनाव तो पूरी तरह इसी के इर्द-गिर्द रहा। घर में घुस कर मारा, यह एक नए भारत की पहचान देने की कोशिश की गई। फिर गलवान की घटना ने इस भावना को और बढ़ाया। इसका असर कई स्तर तक देखा गया। इन घटनाओं ने मोदी सरकार की छवि एक मजबूत नेतृत्व की बनाई और इसका बड़ा राजनीतिक लाभ भी मिला। ऐसे में इन अपेक्षाओं के दबाव के बीच सरकार पर एक बार फिर तीसरे टर्म की शुरुआत में ही उससे कुछ बड़ा करने का दबाव स्वाभाविक है। सरकार से जुड़े एक शीर्ष नेताओं के मुताबिक दबाव के बीच व्यावहारिक पहलुओं को भी देखा जा रहा है। युद्ध या युद्ध जैसे हालात के लिए हड़बड़ी में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है। पूर्व में दोनों मौकों पर विपक्षी दलों ने अपने कुछ नेताओं के बयान के कारण राजनीतिक नुकसान झेला। बीजेपी ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह भारत की सफलता से खुश नहीं है और सेना की बहादुरी पर शक कर रही है। इस नैरेटिव का नुकसान विपक्ष को हुआ। यही कारण है कि इस बार हमले के बाद विपक्ष ने अब तक सतर्क रूख अपनाया है। कांग्रेस ने सीडब्लूसी मीटिंग कर हमले के बाद सरकार को हर एक्शन पर अपना समर्थन देने का ऐलान किया। सूत्रों के अनुसार, तमाम दूसरे विपक्षी दलों ने अपने नेताओं को स्पष्ट रूप से चेताया कि वह कोई अनर्गल बयान नहीं दे। शुक्रवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पहलगाम आतंकवादी हमले के घायलों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। जम्मू-कश्मीर पहुंचे राहुल ने कहा कि हम सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयानक कार्रवाई की निंदा की है और उन्होंने पूरे देश का समर्थन किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे कहा कि मेरा प्यार और स्नेह उन सभी लोगों के प्रति है जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है और मैं चाहता हूं कि सभी को पता चले कि पूरा देश एक साथ खड़ा है। कल हमने सरकार के साथ बैठक की और संयुक्त विपक्ष ने इस कार्रवाई की निंदा की और कहा कि हम सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। जो कुछ हुआ है उसके पीछे समाज को बांटने, भाई को भाई से लड़ाने का विचार है। और यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट हो, एक साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों द्वारा की जा रही कोशिशों को विफल कर सकें। राहुल ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट होकर साथ खड़ा हो ताकि हम आतंकवादियों की कोशिशों को परास्त कर सकें।

भारत-पाकिस्तान संबंधों पर गहरा संकट

पहलगाम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को संशोधन के लिए नोटिस जारी करने के फैसले की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने शिमला समझौते को एकतरफा निलंबित करने की घोषणा की है। यह कदम दोनों देशों के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और गहरा सकता है, जिसके परिणाम कश्मीर, नियंत्रण रेखा, जल कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता पर व्यापक प्रभाव डाल सकते हैं। शिमला समझौता, जो 1972 में भारत-पाकिस्तान के बीच शांति और द्विपक्षीय बातचीत का आधार बना, अब खतरे में है, और इसके निलंबन से दोनों देशों के बीच विश्वास का आधार टूट सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को संशोधन के लिए नोटिस जारी करने के फैसले की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने शिमला समझौते को एकतरफा निलंबित करने की घोषणा की है। यह कदम दोनों देशों के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और गहरा सकता है, जिसके परिणाम कश्मीर, नियंत्रण रेखा, जल कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता पर व्यापक प्रभाव डाल सकते हैं। शिमला समझौता, जो 1972 में भारत-पाकिस्तान के बीच शांति और द्विपक्षीय बातचीत का आधार बना, अब खतरे में है, और इसके निलंबन से दोनों देशों के बीच विश्वास का आधार टूट सकता है। यह लेख इस निलंबन के संभावित परिणामों का तथ्यों और आंकड़ों के साथ गहराई से विश्लेषण करता है, ताकि इस जटिल स्थिति को समझा जा सके।

शिमला समझौता 2 जुलाई 1972 को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच हस्ताक्षरित हुआ था। इसका उद्देश्य 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करना था, जिसमें भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बनाया था और लगभग 5,600 वर्ग मील पाकिस्तानी क्षेत्र पर कब्जा किया था।

समझौते ने नियंत्रण रेखा को परिभाषित किया, जो 17 दिसंबर 1971 की युद्धविराम रेखा पर आधारित थी, और दोनों देशों को कश्मीर सहित सभी विवादों को द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से हल करने का वचन दिया। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की प्रतिबद्धता जताई। यह समझौता भारत-पाक संबंधों का एक आधारभूत ढांचा बन गया, जिसने युद्ध के बाद तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पाकिस्तान द्वारा शिमला समझौते को निलंबित करने की घोषणा एक अभूतपूर्व कदम है, क्योंकि यह समझौता दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग का प्रतीक था। इस निलंबन का सबसे तात्कालिक प्रभाव नियंत्रण रेखा और कश्मीर मुद्दे पर पड़ेगा। नियंत्रण रेखा, जो 740 किलोमीटर लंबी है और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों से गुजरती है, दोनों देशों के बीच एक अस्थायी लेकिन मान्य सीमा रही है। यदि पाकिस्तान इसकी वैधानिकता को चुनौती देता है, तो सीमा पर सैन्य तनाव बढ़ सकता है। 2024 तक, भारत और पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर कई बार युद्धविराम का उल्लंघन किया है, जिसमें 2020 में 5,133 उल्लंघन दर्ज किए गए थे।

शिमला समझौते के बिना, इन उल्लंघनों की संख्या और तीव्रता बढ़ सकती है, क्योंकि दोनों देश इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के रूप में नहीं देखेंगे। इससे स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से सीमा के पास रहने वाले लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा, जिन्हें पहले ही गोलीबारी और विस्थापन का सामना करना पड़ रहा है।

कश्मीर मुद्दा, जो दोनों देशों के बीच सबसे विवादास्पद रहा है, इस निलंबन से और जटिल हो सकता है। शिमला समझौते ने स्पष्ट रूप से कहा था कि कश्मीर सहित सभी विवादों को द्विपक्षीय रूप से हल किया जाएगा, और तीसरे पक्ष या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसे नहीं ले जाया जाएगा।

पाकिस्तान का यह कदम संयुक्त राष्ट्र या अन्य वैश्विक मंचों पर कश्मीर को फिर से उठाने की कोशिश का संकेत हो सकता है। हालांकि, भारत, जिसने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाकर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण रूप से अपने नियंत्रण में ले लिया है, इसे आंतरिक मामला मानता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी सदस्यों जैसे रूस और संभावित रूप से अमेरिका के समर्थन के कारण पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीयकरण का प्रयास विफल हो सकता है। फिर भी, यह कदम दोनों देशों की जनता में राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़का सकता है, जिससे शांति की संभावनाएं और कम हो जाएंगी।

शिमला समझौते का निलंबन भारत-पाकिस्तान संबंधों को लगभग पूर्ण ठहराव की स्थिति में ला सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापार, जो पहले ही न्यूनतम है, पूरी तरह रुक सकता है। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र का दर्जा वापस ले लिया था और आयात पर 200 प्रतिशत शुल्क लगा दिया था। 2023 तक, भारत-पाक व्यापार केवल 2 अरब डॉलर के आसपास था, जो 2016 के 6 अरब डॉलर से काफी कम है। निलंबन के बाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, धार्मिक तीर्थयात्रा (1974 के प्रोटोकॉल के तहत), और खेल जैसे क्षेत्रों में भी पूर्ण विराम लग सकता है। इससे दोनों देशों की जनता के बीच अविश्वास और गहरा होगा, जो पहले से ही सीमा पार आतंकवाद और प्रचार के कारण तनावग्रस्त है।

सिंधु जल समझौते से इस निलंबन का अप्रत्यक्ष लेकिन गहरा संबंध है। भारत ने 30 अगस्त 2024 को सिंधु जल समझौते में संशोधन की मांग की, जिसमें तीन कारण दिए- जलवायु परिवर्तन और नई प्रौद्योगिकियों के कारण बदली परिस्थितियां, स्वच्छ ऊर्जा के लिए जल उपयोग की आवश्यकता, और सीमा पार आतंकवाद के कारण समझौते का प्रभावी कार्यान्वयन न होना। सिंधु जल समझौते के तहत, सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों का जल बंटवारा होता है, जिसमें पश्चिमी नदियां (सिंधु, झेलम, चिनाब) पाकिस्तान को और पूर्वी नदियां (रावी, सतलज, ब्यास) भारत को दी गई हैं।

भारत का तर्क है कि उसे अपने 20 प्रतिशत जल संसाधनों का पूर्ण उपयोग करने का अधिकार है, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में जलविद्युत परियोजनाओं जैसे किशनगंगा (330 मेगावाट) और रतले (850 मेगावाट) के लिए। पाकिस्तान ने इसे एकतरफा कदम माना और शिमला समझौते को निलंबित करने की घोषणा की। यदि सिंधु जल समझौते पर बातचीत विफल होती है, तो भारत अपनी परियोजनाओं को तेज कर सकता है, जिससे पाकिस्तान को जल की कमी का सामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, जो 80 प्रतिशत कृषि पर निर्भर है और सिंधु नदी से 65 प्रतिशत पानी प्राप्त करती है, इस स्थिति से बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

क्षेत्रीय स्थिरता पर भी इस निलंबन का गहरा प्रभाव पड़ेगा। भारत और पाकिस्तान, दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं, जिनके पास क्रमशः 164 और 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है (2024 तक)। शिमला समझौते के बिना, छोटे स्तर के सैन्य टकराव भी बड़े युद्ध में बदल सकते हैं, जिसका परिणाम दोनों देशों और दक्षिण एशिया के लिए विनाशकारी होगा। इसके अलावा, चीन, जो पाकिस्तान का करीबी सहयोगी है और भारत के साथ लद्दाख में सीमा विवाद में उलझा हुआ है, इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर सकता है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, जिसमें 62 अरब डॉलर का निवेश है, भारत के लिए एक रण; भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति, विशेष रूप से जी20 और क्वाड जैसे मंचों पर, इसे कूटनीतिक रूप से मजबूत बनाती है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस निलंबन का प्रभाव सीमित हो सकता है। विश्व बैंक, जो सिंधु जल समझौते में मध्यस्थ है, इस स्थिति पर नजर रखेगा, लेकिन भारत की द्विपक्षीय समाधान की नीति बाहरी हस्तक्षेप को रोक सकती है। संयुक्त राष्ट्र में भी पाकिस्तान का कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाने का प्रयास भारत की कूटनीतिक ताकत के कारण विफल हो सकता है। फिर भी, यह स्थिति दक्षिण एशिया में 'जलीय राष्ट्रवाद' को बढ़ावा दे सकती है, जिससे दोनों देशों में आंतरिक राजनीति और जनता की भावनाएं प्रभावित होंगी। भारत में, जहां 2024 में लोकसभा चुनावों के बाद राष्ट्रवादी भावनाएं पहले से ही मजबूत हैं, सरकार इस स्थिति का उपयोग अपनी सख्त नीतियों को सही ठहराने के लिए कर सकती है।

आर्थिक रूप से, दोनों देशों को नुकसान होगा। पाकिस्तान, जिसकी सकल घरेलू उत्पाद 2024 में 338 अरब डॉलर है, पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और इस निलंबन से उसकी स्थिति और खराब हो सकती है। भारत, जिसकी सकल घरेलू उत्पाद 3.4 ट्रिलियन डॉलर है, आर्थिक रूप से अधिक स्थिर है, लेकिन सीमा पर बढ़ता तनाव और सैन्य खर्च (2024 में 81 अरब डॉलर) उसकी विकास योजनाओं को प्रभावित कर सकता है। सामाजिक स्तर पर, दोनों देशों की जनता के बीच अविश्वास और गहरा होगा, जिससे सांस्कृतिक और मानवीय संबंध पूरी तरह टूट सकते हैं।

इस्लाम का सबसे बड़ा दुश्मन है पाकिस्तान

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को समझने के लिए जरूरी है कि इसकी विशिष्टताओं और विरोधाभासों पर गौर किया जाए। इस तरह देखें तो इस हमले में तीन खास बातें साफ जाहिर हैं। इसकी पहली विशेषता है आतंक के नए निशाने। आम सैलानी, जो इस बात को पूरी तरह भूल चुके थे कि कश्मीर आतंकवाद का गढ़ रहा है और वहां जाना खतरे से खाली नहीं, आतंकियों का खास टारगेट थे।

आतंकी जानते थे कि पर्यटकों को निशाना बनाकर शांति प्रक्रिया के लिए जारी प्रयासों को आसानी से अप्रासंगिक किया जा सकता है। पिछले चुनावों में कश्मीरी अवाम की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने साबित कर दिया था कि पाकिस्तान से समर्थन प्राप्त आतंकी समूह आम कश्मीरी की आकांक्षाओं और उम्मीदों की नुमाइंदगी नहीं करते। एक अत्यंत लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर हुआ यह हमला बताता है कि आतंकी गैर-कश्मीरी लोगों को निशाना बना कर कश्मीर में पनप रही शांति और भाईचारे की संस्कृति को तहस-नहस करना चाहते थे।

इस हमले की दूसरी और सबसे चिंताजनक विशेषता है- आतंक का धार्मिकीकरण। जिस तरह की रिपोर्ट आई है, उससे यह बात जाहिर है कि आतंकियों ने कई लोगों से उनका नाम पूछा। यहां तक कि कई लोगों को मारने से पहले उनसे कलमा पढ़ाने की कोशिश भी की गई। इस रणनीति के मूल में सांप्रदायिकता का जहर छिपा है। आतंकी देश मे पहले से पनप रहे सांप्रदायिक वातावरण को और ज्यादा कटुतापूर्ण बनाना चाहते थे ताकि देश, और विशेषकर कश्मीर, पूरी तरह से हिंदू और मुसलमान के खेमे में बंटता चला जाए। वे चाहते थे कि देश में एक ऐसा बोझिल विमर्श स्थापित हो सके, जहां सब कुछ धार्मिक पहचान के टकराव और विरोधाभासों से तय हो और इन पहचानों के बीच किसी भी तरह का समझौता संभव न हो पाए।

इस हमले की तीसरी सबसे बड़ी विशेषता है आतंक का प्रस्तुतीकरण। हमलावर जानते थे कि लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर आम सैलानी फोटो और विडियो बना रहे होंगे। उन्हें पता था कि जब वे निहत्थे लोगों को मारेंगे तब उनका यह कुकर्म कई लोगों के कैमरों और मोबाइल फोनों में दर्ज हो जाएगा। मरने वालों के संबंधी और वहां मौजूद आम लोग इस नरसंहार की फोटो खींचेंगे और विडियो बनाएंगे। आतंकी अपने इस उद्देश्य में कामयाब रहे। कई भयावह फोटो और विडियो सोशल मीडिया और न्यूज चैनल्स पर प्रसारित हुए। घटना के इस व्यापक प्रसार ने आतंकी हमले को केवल कश्मीर तक सीमित नहीं रहने दिया। उसका स्वरूप विश्वव्यापी न सही देशव्यापी तो हो ही गया।

इस धार्मिक-सांप्रदायिक उन्माद का एक बड़ा नुकसान हुआ। सामान्य कश्मीरी जो आम पर्यटकों को बचाने की कोशिश कर रहे थे या जो आतंकवाद के विरुद्ध मुखर होकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे थे, मौत के इस तांडव में खो से गए। उनका रोजगार खत्म हुआ, साख गिरी और एक बार फिर उनकी धार्मिक-क्षेत्रीय पहचान शक के दायरे में आ गई।

ये विशेषताएं पहलगाम आतंकी हमले को दूसरे आतंकी हमलों से अलग करती हैं। यदि व्यापक संदर्भों में देखें तो इस घटनाक्रम को अंजाम देने वाली मानसिकता को समझा जा सकता है। यहां पाकिस्तानी स्टेट की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर का एक सप्ताह पूर्व दिया गया भाषण बेहद प्रासंगिक है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने द्वि-राष्ट्रवाद के नारे को दोबारा बुलंद करते हुए यह प्रण किया कि पाकिस्तान कश्मीर में जारी भारत विरोधी गतिविधियों को पूरा समर्थन देता रहेगा।

मुनीर ने कहा कि हिंदू और मुसलमान दो राष्ट्र हैं और वे कभी एक साथ नहीं रह सकते। इस बात को साबित करने के लिए मुनीर ने एक खास तरह के इस्लाम की दुहाई दी - एक ऐसा इस्लाम, जिसमें विधर्मियों की सजा मौत हो और जिसके जरिए आतंकवादी हिंसा को जायज ठहराया जा सके। मुनीर का भाषण अपने आप में यह साबित करता है कि पहलगाम का हमला इस्लाम की इस बेहद सतही, विरोधाभासी, गैर-रूहानी और अलोकतांत्रिक समझ से प्रेरित है।

अब सवाल है कि इस हमले का सही जवाब कैसा होना चाहिए? यह तो सुरक्षा एजेंसियां तय करेंगी, वे ही इसकी पड़ताल करेंगी। लेकिन हम कम से कम इतना तो समझ सकते हैं कि इस हमले का उद्देश्य क्या है। पाकिस्तान और उसकी शह पर पनप रहे आतंकी संगठन चाहते हैं कि भारत में सांप्रदायिक उन्माद का विस्तार हो और सब कुछ हिंदू-मुसलमान में विभाजित हो जाए। इस हमले ने हमें बता दिया है कि पाकिस्तान भारत की शांति और स्थिरता, भारतीय मुसलमानों और यकीनी तौर पर इस्लाम का भी सबसे बड़ा दुश्मन है।

वीजा कैंसल, वाघा बॉर्डर भी बंद...पाक में फंस गई किसी की पत्नी, किसी की बेटी

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के एक फैसले से कई परिवारों के लोग पाकिस्तान में अटक गए। भारत सरकार ने पाकिस्तानियों के लिए वीजा रद्द कर दिया। लॉन्ग टर्म वीजा को भी कैंसल कर दिया और पाकिस्तान से आने वालों के लिए वाघा बॉर्डर भी बंद कर दिए। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, नागपुर के कुछ लोग शादी के लिए पाकिस्तान गए थे, लेकिन वे वापस नहीं आ पा रहे हैं। कुछ लोग भारत लौटना चाहते थे, लेकिन बॉर्डर बंद होने से उन्हें पाकिस्तान में ही रुकना पड़ा। नागपुर के रवि कुकरेजा की पत्नी कमलीबाई भी पाकिस्तान में फंस गई। 30 साल की कमलीबाई एक शादी में शामिल होने पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटकी गई थी। जब उन्होंने सुना कि भारत ने वीजा रद्द कर दिया है, तो वह तुरंत वाघा बॉर्डर के लिए रवाना हो गईं। वे ट्रेन से 700 किलोमीटर का सफर करके अटारी पहुंची, लेकिन बॉर्डर बंद था। उन्हें वापस अपने गांव जाना पड़ा। कमलीबाई के पति रवि कुकरेजा ने बताया कि वाघा बॉर्डर पर 100 से ज्यादा परिवार भारत आने के लिए इंतजार कर रहे थे। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि वे उन्हें जाने भी दें तो भी अटारी बॉर्डर बंद है। कमलीबाई अब फिर से वाघा बॉर्डर पर आने की कोशिश कर रही हैं। सिर्फ कमलीबाई ही नहीं, 36 साल की समीना नकवी और उसकी बहन अंदालेब के लिए आफत आ गई है। पाकिस्तानी नागरिक समीना की शादी नागपुर के भालदारपुरा इलाके में रहने वाले काशिफ नकवी से हुई है। समीना की बहन अंदालेब ने ऑनलाइन निकाह किया था। अंदालेब के पति जौनपुर में रहते हैं। समीना को चिंता है कि उसकी बहन अपने पति से कब मिल पाएगी। समीना ने कहा अंदालेब की वीजा की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी थी। कागजात इस्लामाबाद में भारतीय दूतावास पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि हम शिया भारत में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं। मेरी ननदें भी भारत में बसना चाहती हैं।

नागपुर पुलिस के विदेशी पंजीकरण ऑफिस में वीजा के लिए लोग पूछताछ कर रहे हैं। कुछ पाकिस्तानी भारत आए थे और अब वे जल्द से जल्द पाकिस्तान वापस जाना चाहते हैं। रिपोर्टस के अनुसार, सिंध प्रांत में रहने वाले हिंदू सरकार के बॉर्डर बंद करने के फैसले से प्रभावित हुए हैं। सिंधी हिंदू विजिट वीजा पर भारत आते हैं, फिर वे लॉन्ग-टर्म वीजा के लिए अप्लाई करते हैं। बाद में, भारतीय नागरिकता के लिए अप्लाई करते हैं। कई लोग रोजगार तो कई पाकिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए भारत आते हैं। यहां रहने के बाद वे सिर्फ नो-ऑब्जेक्शन रिटर्न टू इंडिया वीजा के लिए पाकिस्तान जाते हैं। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के ज्यादातर आवेदक सिंध प्रांत के हिंदू हैं। कई लोग अपनी बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भारत में बसना पसंद करते हैं। नए आदेश के बाद 15 साल की लड़की भी परिवार से दूर पाकिस्तान के सिंध में फंस गई है। उसका परिवार आठ महीने पहले भारत आया था। वह 10वीं का एग्जाम देने नो-ऑब्जेक्शन रिटर्न टू इंडिया वीजा पर पाकिस्तान गई थी। उसके चाचा ने बताया कि उनकी भतीजी को भारत के स्कूल में एडमिशन नहीं मिल पाया था। वह पाकिस्तान में ही पढ़ाई कर रही थी ताकि उसका साल बर्बाद न हो। उसे अपनी बोर्ड परीक्षा देनी थी, लेकिन अब वह सिंध में फंसी हुई है। इन्केश जसनानी नागपुर के जरीपटका में रहते हैं। उनकी सगाई सिंध के खानपुर शहर में रहने वाले आरती लूंड से हुई है। उनकी शादी मई में होने वाली है। इन्केश की बहनें शादी की तैयारियों को देखने के लिए पाकिस्तान गई हैं। अब इन्केश को चिंता है कि वह शादी के बाद अपनी पत्नी को वापस ला पाएगा या नहीं। सिंध-हिंद पंचायत के राजेश झांबिया ने कहा कि वे सरकार के पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने के फैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले ऐसे जघन्य अपराधों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गुनाहगारों को न्याय के कटघरे में लाना चाहिए। पंचायत चाहती है कि सरकार उन लोगों के लिए नियमों में ढील दे जो एनओआरआई वीजा पर पाकिस्तान गए हैं।

शाहनगर में पहलगांव में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दीं गई

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, यूंनो प्रो कम्पनी द्वारा अपने शाहनगर कार्यलय में जनरल मैनेजर आकश दीप गोल्डी और प्रोजेक्ट मैनेजर धीरज तिवारी एवं प्रोजेक्ट मैनेजर रमन शर्मा के द्वारा कार्यालय पर एक कैंडल लाइट श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जो कि सभी स्टाफ सहित गुरुवार शाम 7:00 बजे श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर सभी ने 2 मिनट का मौन धारण कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी और आतंकवाद के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया है।

लव जिहाद पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का कड़ा संदेश

दोषियों को खोज-खोजकर सजा देंगे

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, भोपाल में सामने आए अजमेर कांड जैसी घटना लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण के मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति गर्मा गई है। इस गंभीर मुद्दे पर कटनी पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि इस घटना में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। कटनी दौरे पर पहुंचे वी. डी. शर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कुछ संगठित समूह बेटियों को गुमराह कर जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बना रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने साफ कहा कि इस तरह की साजिशों को अंजाम देने वालों पर सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी।

- प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि इस मामले को लेकर उन्होंने भोपाल पुलिस कमिश्नर से चर्चा की है और निर्देश दिए हैं कि दोषियों को किसी भी हालत में न छोड़ा जाए। मुख्यमंत्री को भी इस पूरे प्रकरण की जानकारी है। पुलिस प्रशासन इस मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है और इसके लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। वी. डी. शर्मा ने कहा कि एसआईटी के माध्यम से दोषियों की पहचान उन्हें खोज-खोजकर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।जो लोग बेटियों के भविष्य से खिलवाड़ कर समाज में जहर घोल रहे हैं, उन्हें खोज-खोजकर सजा दी जाएगी, उन्होंने दोहराया।प्रदेश अध्यक्ष आज कटनी में डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे, जहां उन्होंने इस मुद्दे पर खुलकर अपना पक्ष रखा।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने कटनी में कड़ा रुख अपनाते हुए आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की बात कही है। वी डी शर्मा ने कहा कि आतंकी लिंक वाले पाक विजाधारियों को देश के कोने कोने में ढूंढ़ उन पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।वी. डी. शर्मा ने कहा ने यह भी कहा आतंकवादियों ने भारत की आत्मा पर हमला किया है। यह हमला सिर्फ पहलगाम में नहीं हुआ, यह पूरे देश की संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश है। अब आतंकवाद के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का समय आ गया है।

उन्होंने आगे कहा कि देश के कोने-कोने में रह रहे पाकिस्तानी वीजा धारकों की जांच की जाएगी। अगर उनका संबंध आतंकवाद से पाया गया, तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। वी डी शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान का हवाला देते हुए कहा, प्रधानमंत्री ने बिहार की धरती से जो संदेश दिया है, वह स्पष्ट है,आतंकवादियों और उनके समर्थकों को खोज-खोजकर हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद को लेकर कहा कि अब उसका देश में कोई भविष्य नहीं है। ऐसे नापाक इरादों को समर्थन देने वालों का अंत निश्चित है। भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और अब हर साजिश का हिसाब लिया जाएगा।कटनी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि यह वक्त सिर्फ निंदा का नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का है।

पहलगाम आतंकी हमले पर कटनी उपमुख्यमंत्री का पाकिस्तान पर प्रहार

कटनी में जांचों का भरोसा, मानवता पर हमला

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के अल्प प्रवास पर पहुंचे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जो दशकों से आतंकवाद को बढ़ावा देता आ रहा है। उन्होंने इस हमले को मानवता पर सीधा हमला बताते हुए कहा कि भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ किसी भी स्तर पर कड़ी कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगी। उपमुख्यमंत्री शुक्ला ने हमले में शहीद हुए जवानों और आम नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। शहडोल जिले से यात्रा कर वे कटनी के मुड़वारा रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहाँ से वे ट्रेन द्वारा भोपाल रवाना हो गए।

कटनी प्रवास के दौरान जब उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से पत्रकारों ने जिले में भट्टा मोहल्ला घनी बस्ती में संचालित शराब दुकान को लेकर सवाल किया—जहाँ खुद पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक संजय पाठक को दुकान बंद कराने जाना पड़ा—तो उन्होंने जवाब दिया कि इस पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जिला प्रशासन आवश्यक कार्रवाई करेगा। इसके अलावा, जब पत्रकारों ने जिला अस्पताल एवं CMHO के खिलाफ परिजनों को नौकरी दिलवाने सहित अन्य मामलों में की गई शिकायतों पर सवाल किया, तो उपमुख्यमंत्री ने कहा, यह शिकायत मेरे संज्ञान में आई है। मैंने शिकायतकर्ता से बातचीत भी की है। मामले की जांच कराई जाएगी और जांच के पूर्व कोई भी कार्रवाई करना उचित नहीं होगा। जांच पूरी होने के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैहर शराब ठेकेदार द्वारा खुलेआम अवैध रूप से गांव गांव बिकवाई जा रही अंग्रेजी शराब, शराब ठेकेदार पर कार्यवाई की

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
बालाघाट, बैहर मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में शराब ठेकेदार द्वारा अपने फायदे के लिए नियम को ताक पर रखकर अवैध रूप से अंग्रेजी शराब अपने गुर्गों के माध्यम से बिकवाया जा रहा है,जिससे युवा पीढ़ी दिनों दिन नशे के मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं जिस वजह से उनका परिवार बेघर होता जा रहा है तथा महिलाएं अपने आपको असुरक्षित समझ रही है वही युवा पीढ़ी नशे की लत में गर्त की ओर जा रहे हैं।

वहीं अधिकतर ढाबों व होटलों पर शाम होते ही जाम छलकते हुए दिखाई देने लगते हैं, वहीं शराबियों को पीने के लिए सुविधाएं भी मुहैया करवाई जाती है ताकि उनको शराब पीने में कोई परेसानी ना हो इस वजह से शराब का व्यवसाय कर रहे लोग भी मालामाल हो रहे हैं। तथा सुबह से शाम रात तक शराब ठेकेदार के गुर्गे अपने निजी वाहन से अवैध रूप से शराब कि खेप होटल,ढाबों व दुकानों में छोड़ रहे हैं वहीं जिम्मेदार विभाग को जानकारी होने के बावजूद भी धृष्टराज कि भूमिका निभा रहे हैं जो चिंता का विषय बना हुआ है।

शराब ठेकेदार द्वारा नियम कानून कि धज्जियां उड़ाकर दुकानों में आसानी से बिकवाई जा रही अवैध शराब मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों पानठेला,चायदुकान , होटलों व किराना दुकानों में शराब ठेकेदार के गुर्गे अंग्रेजी शराब में कमीशन का लालच देकर व बेखौफ अवैध रूप से जिम्मेदार विभाग को ठेंगा दिखाकर बेधड़क शराब का कारोबार संचालित कर रहे है यह सब देखकर ऐसा प्रतीत होता है की चाय दुकान व पानठेलो के संचालक को मानो शराब बेचने का लाइसेंस दे दिया गया हो, जिससे वे बेखौफ होकर अपनी चाय दुकान व पानठेलो में शराब परोस रहें है द्य अधिकांश चाय दुकानों में गर्म चाय से अधिक बिक रही ठंडी चाय,यदि समय - समय पर जिम्मेदार विभाग द्वारा क्षेत्रभर में संचालित चाय दुकान, पानठेले,किराना दुकान व ढाबों में दबिश दी जाए तो इन अवैध कारोबार पर अंकुश लग सकता है।

गंदा है पर धंधा है कि तर्ज में ग्रामीण अंचलों में अवैध रूप से बिक रही अंग्रेजी शराब जानकारी अनुसार इन दिनों शराब ठेकेदार द्वारा अपने गुर्गों के माध्यम से गांव गांव में शराब कि बिक्री करवाई जा रही है जिसमें प्रमुख रूप से केवलारी चौक में किराना दुकान (बैहर मलाजखंड रोड़) साथ ही पोड़ी, जैतपुरी, मजगांव, सुरेखा, कुमादेही, भंडेरी, पाथरी, केवलारी, आमगांव, पोगारफाटा, खुरमुंडी, परसाटोला, गोगाटोला, किनारदा सहित अन्य और भी गांवों में बेधड़क बिना रोक-टोक के अवैध शराब बिकवाई जा रही है वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी ने अवैध शराब बिक्री पर नियंत्रण के लिए सजग रहने व प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए हैं वहीं मध्य प्रदेश में सभी अहातों पर प्रतिबंध होने के बावजूद भी खुलेआम शराब बेची व पिलाई जा रही है तथा आराम से बैठकर पीते हुए भी देखे जा रहे हैं वहीं जिम्मेदार विभाग जानकर भी अनदेखा कर रहा है जो समझ से परे हैं।

विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी सामने आ रही है कि बहुत सी शराब डुप्लीकेट व छत्तीसगढ़ राज्य की सस्ती शराब लाकर अन्य ग्रामों में बेहिचक शराब बेची जा रही है जो जांच का विषय है वहीं अब देखना यह है कि आखिरकार खबरों के माध्यम से अवगत कराने के बावजूद भी जिम्मेदार विभाग कुंभकरणीय की नींद से कब जागता है।

वहीं क्षेत्र के जागरूक लोगों ने अवैध रूप से गांव गांव बिक रही अंग्रेजी शराब पर कार्यवाही कि मांग प्रशासन से कि है तथा युवा पीढ़ी से शराब का सेवन ना करने कि अपील भी कि है। तथा शराब ठेकेदार कि मनमानी पर अंकुश लगाने कि मांग कि है।

अबूझमाड़ के नेलांगुर में खुला नया सुरक्षा एवं जन सुविधा कैंप

राष्ट्रीय राजमार्ग 130 DK निर्माण में आयेगी तेजी

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ नारायणपुर, पुलिस द्वारा थाना कोहकामेटा के ग्राम नेलांगुर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों एवं कुतुल-बेडमाकोटी-पदमकोट-नेलांगुर-महाराष्ट्र- मार्ग तक सड़क निर्माण कार्य में सुरक्षा प्रदान करने एवं विकास कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से दिनांक 23.04.2025 को नारायणपुर पुलिस डीआरजी, बस्तर फाईटर एवं आईटीबीपी आईटीबीपी 41वीं, 29वीं, 45वीं, 38वीं, 53वीं वाहिनी के द्वारा घोर नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र माओवादियों के आश्रय स्थल नारायणपुर-महाराष्ट्र सीमा के अंतिम ग्राम ''नेलांगूर'' में नवीन कैम्प स्थापित किया गया है। विगत एक साल में 13वां नवीन कैम्प नेलांगूर में खोला गया। अबूझमाड़ के पहुँचविहीन, सुरक्षाविहीन और नक्सल गढ़ होने की धारणा पर आघात अबूझमाड़ के नेलांगुर में खुला नया सुरक्षा एवं जन सुविधा कैंप। अबूझमाड़ में महाराष्ट्र सीमा पर नारायणपुर का आखिरी गांव है नेलांगुर। नक्सलियों के पोलित ब्यूरो सदस्यों और सेंट्रल कमेटी सदस्यों के तथाकथित गढ़ में पहुंचे सुरक्षा बल, जिससे माओवादी संगठन ध्वस्त हो रहा है माओवादी संगठन में जुड़े नक्सली सदस्य अत्याधिक संख्या में आत्म समर्पण की ओर अग्रसर है। निश्चित ही नक्सल मुक्त बस्तर की कल्पना साकार रूप ले रहा है। ग्रामीणों द्वारा पुलिस कैम्प का स्वागत किया और मुख्यरूप से बिजली, नल-जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोड इत्यादि मूलभूत सुविधाओं की मांग रखी गई जिसे जल्द पूर्ण कराये जाने साथ ही ''जन समस्या निवारण शिविर'' का लगाये जाने का आश्वासन दिया गया। नियद नेल्लानार के अंतर्गत विकास की सभी योजनाओं का पूर्ण रूप से कियान्वयण किया जाएगा साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव तक पहुंचाया जायेगा अब क्षेत्र में समग्र विकास की गंगा बहेगी। राष्ट्रीय राजमार्ग 130 छ्य निर्माण में आयेगी तेजी। पदमकोट नेलांगुर के बाजार में भी दिखी रौनक। विकास कार्यों की रखी मांग। सड़क पर लगी छत्तीसगढ़ में आपका स्वागत है और छत्तीसगढ़ सीमा समाप्त के साथ साथ नागपुर और मुंबई से लेकर जगदलपुर और रायपुर तक की दूरी का सूचक बोर्ड लगाया गया। पूरब से पश्चिम दिशा की ओर नारायणपुर से 65 किलोमीटर सड़क की पहुंच पूर्ण। नक्सल विरोधी अभियान अब और भी प्रभावी होंगे। ग्राम नेलांगूर में नवीन कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में काफी उत्साह एवं सुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ग्राम नेलांगुर तहसील व थाना कोहकामेटा व ओरछा ब्लाक क्षेत्रान्तर्गत स्थित है। नवीन कैम्प थाना कोहकामेटा से 31 कि.मी. दक्षिण-पश्चिम दिशा में स्थित है।

पदमकोट-नेलांगुर में सुरक्षा एवं जन सुविधा पुलिस कैम्प खुलने एवं बाजार लगने से लोगों को उनके मूलभूत दैनिक उपयोगी सामग्री उपलब्ध होने से पदमकोट-नेंलागुर की बाजार में रौनक दिखी है। सुरक्षा बलों को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपनी पहुंच और निगरानी, स्थानीय लोगों को नक्सल हिंसा से निजाद दिलाने में मदद मिलेगी। यह कदम नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए कारगर रहेगा। श्री सुन्दराज पी. (भा.पु.से.) पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर, श्री अमित तुकाराम कांबले (भा.पु.से.) उप पुलिस महानिरीक्षक कांकेर, श्री राणा युद्धवीर सिंह डीआईजी आईटीबीपी, श्री प्रभात कुमार पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, श्री नरेन्द्र सिंह कमाण्डेंट 41वीं वाहिनी आईटीबीपी, श्री दुष्यंत राज जायसवाल कमाण्डेंट 29वीं वाहिनी आईटीबीपी, श्री राजीव गुप्ता कमाण्डेंट 45वीं वाहिनी आईटीबीपी, श्री संजय कुमार कमाण्डेंट 53वीं वाहिनी आईटीबीपी, श्री सिद्धार्थ कुमार कमाण्डेंट 38वीं वाहिनी आईटीबीपी, श्री रोबिनसन गुडिया (भा.पु.से.)अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नारायणपुर श्री सुनील पोखरियाल, सेक्टर डिप्टी कमाण्डेंट आईटीबीपी के निर्देशन में नवीन कैम्प स्थापना में नारायणपुर डीआरजी, बस्तर फॉइटर एवं आईटीबीपी 41वीं, 29वीं, 45वीं, 38वीं, 53वीं वाहिनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

जिलाधिकारी ने गर्मी व लू के प्रकोप से बचने के लिए जारी की एडवाइजरी

भीषण गर्मी में कुछ सावधानियां अपनाकर स्वयं एवं अपने परिवार को गर्मी व लू के प्रकोप से रखें सुरक्षित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने गर्मी के मौसम में लू के प्रकोप से जनसामान्य को बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में लोग कुछ सावधानियां अपनाकर स्वयं को और अपने परिवार को गर्मी व लू के प्रकोप से सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में चाहे इंसान हो या पशु या फिर कोई पालतू जानवर सभी को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों व बुजुर्गो का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग की ओर से जारी की गयी एडवाइजरी के अनुसार आगामी दिनों में दैनिक तापमान में तेजी से वृद्धि होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। वर्तमान समय में जनपद में परिस्थितिया हीट वेव (लू) के अनुकूल बनी हुई है। मौसम विभाग द्वारा संभावना व्यक्त की गयी है कि इस वर्ष गर्मियों में पिछले वर्ष की तुलना में अधिक लू व गर्म हवायें अधिक चलेगी। इसलिए जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण सहारनपुर द्वारा जनपद के नागरिकों को लू/गर्म हवाओं से बचाने के लिए कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कियें है। जिनको अपना कर इस बार गर्मियों के मौसम में लू/गर्म हवाओं से बचा जा सकता है।

क्या करे: - प्रचार माध्यमों पर हीट वेव/लू/गर्म हवायें की चेतावनी पर ध्यान दें,
अधिक से अधिक पानी पियें, यदि प्यास न लगी हो तब भी पानी पियें, हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें, धूप के चश्में, छाता, टोपी, व चप्पल का प्रयोग करें,अगर आप खुले मे कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ पैरों को गीले कपड़े से ढके रहें तथा छाते का प्रयोग करें, यात्रा करते समय पीने का पानी अपने साथ ले जाएं, ओ0 आर0एस0, घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड़), नीबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करे, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके, हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट क्रैम्प के लक्षणों जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सरदर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा आदि को पहचानें,यदि मूर्छा या बीमारी अनुभव करते है तो तुरन्त चिकित्सीय सलाह लें, अपने घरों को ठण्डा रखे, पर्दे दरवाजे आदि का उपयोग करे तथा शाम/रात के समय घर तथा कमरों को ठण्डा करने हेतु इसे खोल दें, पंखे गीले कपड़ों का उपयोग करें तथा बारम्बार स्नान करें, कार्य स्थल पर ठण्डे पीने का पानी रखें/उपलब्ध करायें, कर्मियों को सीधी सूर्य की रोशनी से बचने हेतु सावधान करे,
श्रमसाध्य कार्यो को ठण्डे समय में करने/कराने का प्रयास करें, घर से बाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि तथा आवृति को बढायें, गर्भस्थ महिला कर्मियों तथा रोगग्रस्त कर्मियों पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए।
क्या न करे बच्चों को खड़ी गाडियों में न छोड़ें, दोपहर 12 से 03 बजे के मध्य सूर्य की रोशनी में जाने से बचें, गहरे रंग के भारी तथा तंग कपड़ें न पहनें, जब बाहर का तापमान अधिक हो तब श्रमसाध्य कार्य न करें, अधिक गर्मी वाले समय में खाना बनाने से बचें, रसोई वाले स्थान को ठण्डा करने के लिये दरवाजे तथा खिड़कियॉ खोल दें, शराब, चाय, काफी, कार्बोनेटडे साफ्ट ड्रिंक आदि के उपयोग करने से बचें क्योंकि यह शरीर में निर्जलीकरण करता हैं।

कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में किया प्रदर्शन

भाजपा कार्यकर्ताओं ने देवबंद में पाकिस्तान का पुतला दहन करा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर ।देवबंद, कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतंकी घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आतंकवाद व पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए देवबंद नगर के सुभाष चौक पहुंचकर प्रदर्शन किया साथ ही पाकिस्तान का पुतला भी दहन किया। भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता ने देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, और रक्षा मंत्री से पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग की। भाजपा नेता राजेश अनेजा ने कहा कि इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है। इस प्रकार का घिनौना काम वही लोग कर सकते हैं जिनके अंदर मानवता बिल्कुल भी नहीं होती। कहा कि उम्मीद है कि उनको उसी की भाषा में सबक सिखाने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी। उन्होंने कहा गृहमंत्री कल मौके पर पहुंचे थे उन्होंने वहां पर यह संकल्प लिया कि जिसने भी यह कायराना हरकत की उनको सबक सिखाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा जो लोग उन्हें पालने पोसने का काम कर रहे हैं उन्हे भी सबक सिखाने का काम सरकार करेगी। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, राजेश अनेजा, राममोहन सैनी, अजय गर्ग, मोहन लाल कोरी, आलोक खटीक, शिवम त्यागी, विशाल गर्ग, विशाल शर्मा, राकेश मित्तल, रंजीत वाल्मीकि, अमित बीडीसी, राम भटनागर, राहुल शर्मा, आकाश ठाकुर, जोगेंद्र सिंह आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में हुई मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक

औद्योगिक क्षेत्र पिलखनी में पानी की निकासी हेतु बरसात से पहले किया जाए नाले का निर्माण -मण्डलायुक्त अटल कुमार राय

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, मण्डलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक सर्किट हाउस सभागार में सम्पन्न की गयी। मंडलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा तीनों जनपदों की जिला उद्योग बन्धु में विचाराधीन प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गयी है। डीजीएम यूपीसीडा गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि औद्योगिक क्षेत्र पिलखनी में पानी की निकासी हेतु नाला निर्माण के संबंध में कार्य की निविदा तीसरी बार आमंत्रित कर प्राप्त हो चुकी है तथा तकनीकी बिड 24 अप्रैल को फाइनल हो जायेगी। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा इस कार्य को बरसात से पहले शुरू किये जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में बताया गया कि औद्योगिक क्षेत्र पिलखनी में पुलिस चौकी निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है तथा औद्योगिक क्षेत्र पिलखनी में 04 दुकानों के विवरण ई-ऑप्शन हेतु मुख्यालय प्रेषित कर दिये गये हैं। व्यावसायिक भूखण्डों के विज्ञापन में एक साथ निकाले जायेंगे, जिसमें उक्त दुकानों के भूखण्ड सम्मिलित है। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा औद्योगिक क्षेत्र पिलखनी में जिला पंचायत द्वारा लिये गये टैक्स के सापेक्ष व्यय का मदवार विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। बैठक में लोक निर्माण विभाग सहारनपुर द्वारा बताया गया कि औद्योगिक क्षेत्र पिलखनी की मेन सड़क या मुख्य सडक को चौडीकरण का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है। लोक निर्माण विभाग शामली द्वारा बताया गया कि शामली विजय चौक से औद्योगिक आस्थान तक सड़क चौडीकरण व डिवाईडर पर लाईटें लगाने के कार्य हेतु शासन में स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है, जल्द ही कार्य का शासनादेश निर्गत हो सकता है। अग्निशमन अधिकारी शामली द्वारा बताया गया कि कैराना कोतवाली के पास स्टाफ सहित एक फायर बिग्रेड गाडी की व्यवस्था की गयी है, जिस पर मण्डलायुक्त द्वारा शामली औद्योगिक आस्थान के समीप स्थाई फायर स्टेशन की व्यवस्था करने की कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत शामली द्वारा बताया गया कि शामली औद्योगिक आस्थान से पूर्वी यमुना नहर तक नाले की सीवर पाईप लाईन की संयुक्त जांच हेतु एसडीएम कैराना की अध्यक्षता में एक टीम गठित की गयी है, जिस पर मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने जिला पंचायत को निर्देश दिए कि समिति की संयुक्त जांच रिपोर्ट आयुक्त कार्यालय को प्रेषित की जाये। अध्यक्ष महोदय द्वारा संबंधित विभागों को निर्देश दिये गये कि मण्डल के जनपदों के निवेश मित्र पोर्टल पर निर्धारित समय सीमा के उपरान्त लम्बित प्रकरणों का निस्तारण किया जाये। बैठक का संचालन संयुक्त आयुक्त उद्योग, सहारनपुर द्वारा किया गया। बैठक में संयुक्त आयुक्त उद्योग श्रीमती अन्जू रानी, डीसी मुजफ्फरनगर श्रीमती जैस्मिन, सहायक आयुक्त उद्योग डॉ0 बनवारी लाल, मुख्य अभियन्ता विद्युत राजेश कुमार, डीजीएम गाजियाबाद रघुनन्दन सिंह यादव, आरएम यूपीसीडा मेरठ राजेश झा, आईआईए अध्यक्ष अनूप खन्ना, अध्यक्ष सीआईएस रविन्द्र मिगलानी, अध्यक्ष हौजरी एसोसिएशन मनमीत अरोड, जिला अध्यक्ष उद्योग व्यापार मण्डल शीतल टण्डन तथा अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विश्व मलेरिया दिवस पर कार्यशाला आयोजित

रतलाम विश्व मलेरिया दिवस पर शुक्रवार को सिविल हॉस्पिटल जावरा के मीटिंग हॉल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ संध्या बेलसरे के मार्गदर्शन में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें आशा कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, उपस्थित रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीबीएमओ डॉ. शंकरलाल खराड़ी ने कहा कि पानी से पैदा होने वाली बीमारियों में से मलेरिया एक प्रमुख बीमारी है। इसके नियंत्रण के लिए सबकी भागीदारी होना आवश्यक है। किसी व्यक्ति को बुखार आता है तो खून की जांच कराना चाहिए। सरकारी अस्पताल में मलेरिया की जांच व उपचार की नि:शुल्क व्यवस्था है। आर डी किट के माध्यम से 15 मिनट में रिपोर्ट मिल जाती है। मलेरिया इंस्पेक्टर सलीम मंसूरी ने बताया कि ठंड लगकर बुखार आना, पसीना आना, एक दिन छोड़कर बुखार आना मलेरिया के लक्षण हैं। घर पर रात्रि विश्राम के समय मच्छर दानी का उपयोग करना चाहिए और पूरी बांह के कपड़े पहनना चाहिए। प्रभारी सुपरवाइजर शैलेन्द्र कुमार दवे ने बताया कि घर के आसपास सफाई रखे। पानी जमा नहीं होने दें। सप्ताह में एक बार पानी की टंकी, घर के बर्तन, कुलर का पानी अवश्य बदलना चाहिए। पीने के पानी को ढक्कर रखे। तालाब, स्टॉपडेम एवं बारिश के जमा पानी में गेंबूसिया मछली का संचय किया जा सकता है। उक्त मछली मच्छरों के लार्वा को पानी में खा जाती है। कार्यशाला के बाद रैली भी निकाली गई। रैली में सुपरवाइजर अनिल पटेल, पूनम दायम, फरजाना खान, सीमा भाटी आदि भी शामिल थे।

जलकल चेयरमैन ने किया मलेनी डेम का निरीक्षण

गिरते जलस्तर पर जताई चिंता

रतलाम

जावरा नगर पालिका परिषद में जलकल प्रभारी का दायित्व निभा रहे मो. मुस्तकीम मंसूरी ने आज सुबह बहादुरपुर स्थित मलेनी डेम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि डेम के पानी का स्तर लगातार कम होता जा रहा है। इस पर जलकल चेयरमैन श्री मंसूरी ने चिंता जताते हुए ड्यूटी पर मौजूद अमले को सतर्कता व सजगता से काम करने की नसीहत देते हुए पानी की चोरी नहीं होने देने के निर्देश दिए। साथ ही पाइप लाइन की सतत निगरानी रखें और थोड़ा-बहुत भी लीकेज होने पर तुरन्त मरम्मत करें ताकि पानी व्यर्थ ना बह पाए। उल्लेखनीय है कि श्री मंसूरी समय-समय पर मलेनी स्थित उक्त डेम में भरे पानी का जायजा लेते रहते हैं। वे नगर पालिका अध्यक्षा अनम मो.यूसुफ कड़पा के निर्देश पर उक्त डेम का अवलोकन करने पहुंचे थे। उन्होंने नगरवासियों से भी गुजारिश की कि गर्मी के मौसम के मद्देनजर पानी की फिजूलखर्ची नहीं करते हुए इसकी बचत पर ध्यान देवें। उन्होंने जनता को पानी के सदुपयोग की सलाह देते हुए कहा कि अभी भीषण गर्मी के मई-जून माह बाकि है। लिहाजा शहर में जलसंकट की स्थिति उत्पन्न ना हो इसके लिए हम सबको अभी से प्रयास करना होंगे। जलकल प्रभारी के मुताबिक नगर की जनता को पानी की समस्या से नहीं जुझना पड़ेगा। जरूरत पड़ने पर आसपास स्थित निजी ट्यूबवेल व नलकूप का अधिग्रहण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीते साल भी नपा परिषद की कोशिशों के चलते नागरिकों को जलसमस्या का सामना नहीं करना पड़ा। क्षेत्र में और भी जलस्त्रोत है जहाँ से पेयजल की आपूर्ति हो सकती है।

पहलगाम की घटना को लेकर मुस्लिम समाज ने काली पट्टी बांध जताया विरोध, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

खरगोन राजेश सुल्ताने जम्मूकश्मीर के पहलगाम में विगत दिनों वहा पर घूमने के लिए गए पार्यटको पर हमला कर उन्हें बेरहमी से मार डाला इस हमले मे सत्ताईस सैलानी और एक स्थानीय कश्मीरी यूवक की मौत हो गई उक्त घटना पर समूचे देश में आक्रोश हे इसी को लेकर खरगोन जिले के कसरावद, मुस्लिम समुदाय के द्वारा जामा मस्जिद चौक पर एकत्रित होकर शुक्रवार को जूमे की नमाज बाजुओं पर काली पट्टी बांध कर पढ़ी । वही मस्जिद से जुलूस निकालकर छोटे नाका पर रोष जताया। और एसडीएम कसरावद, को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन, दिया गया जिसमे उक्त घटना में मारे गए लोगों ओर उनके परिवार के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मांग की गई हे की महामहिम राष्ट्रपति सरकार को आदेश करे के उक्त हमले को अंजाम देने वाले आंतकियो को पकड़कर उन्हें फांसी की सजा दे साथ ही आतंकवादियों, को पनाह देने वाले हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान पर भी कड़ी कार्यवाही करें इस अवसर पर शहर सदर रइस कुरेशी, तस्लीम ख़ान, पत्रकार अबरार पठान, डॉक्टर मुजफ्फर, पत्रकार अजीज सूफी सभी मस्जिदों के इमाम सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम, समाज जन मोजूद रहे

सार्थक नगर में एक लड़की के घर के सामने जाकर एक युवक ने लगाई खुद को आग

युवक को घायल अवस्था में पहुचाया अस्पताल

खरगोन जिले के.बलकवाड़ा थाना की खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र में लगातार घटनाएं सामने आ रही है वही बुधवार रात को तो एक अजीबोगरीबो घटना सामने आई है जिसमे खुद एक युवक ने अपने आप को आग लगा ली थी वही पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात करीब दस बजे ग्राम पंचायत मुंकदपुरा क्षेत्र की सार्थक नगर कालोनी में एक युवक ने अपने शरीर पर आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास

किया था जिसमे युवक कुछ हद तक जल भी गया है।जिसमे युवक को घायल अवस्था में ठीकरी अस्पताल पहुंचाया है।युवक की हालत को गंभीर देखते हुए उसे बड़वानी रैफर कर दिया है।अभी आग लगाने का कारण बताया जा रहा है कि वह सार्थक नगर कालोनी में बाइक लेकर आया था किसी लड़की के घर के सामने आकर उसने आग खुद को आग लगा दी थी।जिसके बाद वह बाइक को छोड़कर भागते हुए गली से आगे निकल गया था।वही बाइक के पास पड़ा एक बैग भी जल गया था। नाग मंदिर के पास घायल अवस्था में युवक पड़ा हुआ था जिसके आसपास ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी।जिसे अस्पताल पहुंचाया गया है वही पुलिस का कहना है की युवक मंडवाड़ा हरणगांव का रहने वाला है और वर्तमान में इंदौर में रहता हैं वही उसका नाम आकाश सांवले बताया जा रहा है। खलटाका पुलिस चौकी प्रभारी राजेंद्र अवास्या ने बताया की एक युवक के आग लगाने की सूचना मिली थी जिसे ठीकरी अस्पताल पहुंचाया गया था।शायद प्रेम प्रसंग का मामला लगता है मामले की जांच कर रहे हैं।

रोड निर्माण से कॉलोनी में मल जल योजना के सभी चैंबर हुए बंद

शाजापुर वार्ड नंबर 26 अमन गार्डन के पीछे रोड निर्माण ठेकेदार ने सभी चैंबर सड़क के अंदर दबा दिए उनकी सफाई नहीं होने से चैंबर जाम हो गए एवं गंदा पानी लोगों के घरों में पहुंच रहा है शिकायत करने पर भी चैंबरों को ओपन नहीं किया जा रहा चेंबर चौक होने से सीवरेज का गंदा पानी जिनके घर रोड से नीचे है उनके घरों में गंदा पानी अंदर पहुंच रहा है पहले सीवरेज के चेंबर दिखाई देने से सफाई हो जाती थी अब वह पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। नगर पालिका की उदासीनता से यह समस्या कई वार्डो में बन रही है।

पहलगाम आतंकी हमले पर थांदला के पत्रकारों का फूटा आक्रोश, SDM कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

झाबुआ

देश की एकता, अखंडता और आस्था पर हमला करने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए - पत्रकार प्रतिनिधिमंडल

दोषियों को फांसी देने और आतंकवाद के खात्मे की उठाई मांग

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को थांदला के पत्रकारों ने एकजुट होकर स्थानीय स्थरू कार्यालय पहुंचकर आक्रोश जताया और घटना के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पत्रकारों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद और आतंकवाद विरोधी नारे लगाते हुए दोषियों को फांसी की सजा दिए जाने की मांग की पत्रकारों द्वारा नायब तहसीलदार पलकेश परमार को सौंपे गए ज्ञापन का वाचन वरिष्ठ पत्रकार सुधीर शर्मा ने किया। प्रतिनिधिमंडल में कमलेश तलेरा, मनोज उपाध्याय, अक्षय भट्ट, समकित तलेरा, कादर खान, राजेश डामोर, मनीष वाघेला, पवन नाहर, शाहिद, जावेद, शाहिद जैनब, श्रीमंत अरोड़ा, विजय, रियाज मोहम्मद, आत्माराम शर्मा, अल्केश रावत सहित अनेक मीडियाकर्मी मौजूद थे। ज्ञापन में बताया गया कि कैसे 22 अप्रैल को पहलगाम में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे निहत्थे पर्यटकों पर आतंकवादियों ने बेरहमी से हमला किया, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए। यह घटना न केवल अमानवीय और निंदनीय है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा पर भी एक गहरा सवाल खड़ा करती है। पत्रकारों ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस बर्बर हमले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और इसमें शामिल आतंकियों के ठिकानों को नष्ट कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी अमरनाथ यात्रा को लेकर आमजन में भय का माहौल है, इसलिए उसकी सुरक्षा के लिए विशेष रणनीति तैयार की जाए। ज्ञापन में इस बात पर जोर दिया गया कि जम्मू-कश्मीर न केवल एक पर्यटन स्थल है, बल्कि वहां हिन्दू समाज की आस्था से जुड़े वैष्णो देवी और अमरनाथ जैसे तीर्थ स्थल भी हैं, जिन्हें बार-बार आतंकी निशाना बनाते हैं। ऐसी घटनाओं से घाटी की छवि धूमिल होती है और देशभर के श्रद्धालुओं में भय व्याप्त होता है। पत्रकारों ने यह भी मांग की कि मृतकों के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता दी जाए, घायलों के इलाज की पूरी व्यवस्था की जाए और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए केंद्र सरकार और सुरक्षा एजेंसियां ठोस कदम उठाएं। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया कि जब तक आतंकवादियों को उनके अंजाम तक नहीं पहुंचाया जाएगा, तब तक देश में शांति स्थापित नहीं हो सकेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह केवल एक हमला नहीं, बल्कि देश की आत्मा पर आघात है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

स्टार प्रोजेक्ट अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापको का 5 दिवसीय लीडरशिप प्रशिक्षण संपन्न

शाजापुर

शाजापुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट शाजापुर में राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान सीमेंट भोपाल के द्वारा आयोजित तृतीय चरण का स्टार प्रोजेक्ट अंतर्गत माध्यमिक शाला के पश्चात् प्राथमिक शाला के प्रधानाध्यापको का 5 दिवसीय लीडरशिप प्रशिक्षण का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डाइट श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, प्रशिक्षण प्रभारी श्री अशोक कारपेंटर के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में दिनांक 21 अप्रैल 2025 से 25 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया गया । शाजापुर जिले के शाजापुर एवं कालापीपल विकास खंड से 190 प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापको ने प्रतिभागियों के रूप में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक लीडरशिप प्रशिक्षण सीमेंट द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर के द्वारा 14 मॉड्यूल पर समय विभाग चक्र के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया। 25 अप्रैल को प्रशिक्षण के समापन पर प्रभारी डाइट प्राचार्य श्रीमती अनीता श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण के मॉड्यूल पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रशिक्षण की सीख को अपने विद्यालयों तक ले जाने के बारे में बताया। इस अवसर पर डाइट प्रशिक्षण प्रभारी श्री अशोक कारपेंटर ने शालाओ में नामांकन बढ़ाते हुए अपनी शाला को सुन्दर एवं आकर्षित बनाने एवं सभी अधीनस्थ शिक्षक का सहयोग कर शाला को सजीव बनाने पर जोर दिया, साथ ही प्रशिक्षणार्थियो को प्री टेस्ट एवं पोस्ट टेस्ट का विश्लेषण कर अपनी कमजोर कडी को दूर करने और हमेशा अपडेट रहने को बोला। शुक्रवार को समापन समारोह में डाइट से व्याख्याता श्री महेश भेसानिया, श्री बी. एल. बैरागी , श्री दीपक शर्मा सहित सभी मास्टर ट्रेनर श्री हरभान सिंह, श्री हेमंत वैद्य, श्री शुभम शर्मा, श्री वैभव तिवारी, श्रीमती रंजना रावत, श्री विष्णु कारपेंटर, श्री विजय जैन, अरूण पाटीदार, आदी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन श्री विजय जैन एवं श्री अरुण पाटीदार द्वारा किया गया तथा आभार श्री हेमंत वैद्य द्वारा माना गया।

बाल विवाह के विरुद्ध विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन का जागरूकता अभियान

झाबुआ

झाबुआ- अक्षय तृतीया को देश में एक शुभ अवसर के रूप में देखा जाता है और इस दिन कई स्थानों पर परंपरागत रूप से बाल विवाह कराए जाते हैं। इसलिए, इस सामाजिक प्रवृत्ति को रोकने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से, विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ने यह सराहनीय पहल की है।

अभियान के तहत, मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों और गुरुद्वारों में जाकर समाज के लोगों को बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई जा रही है। धार्मिक स्थलों को चुना जाना इस अभियान की विशेषता है, क्योंकि ये स्थल जनमानस पर गहरी छाप छोड़ते हैं और समाज को एकजुट करने में प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं।

संगठन द्वारा धार्मिक गुरुओं से अपील की गई है कि वे अपने प्रवचन और धार्मिक आयोजनों में बाल विवाह के खिलाफ संदेश दें और अपने अनुयायियों को इस दुष्परिणाम से गाँव-गाँव, मोहल्ले-मोहल्ले और स्कूलों में बाल विवाह न करने की सलाह दें।

अभियान के दौरान, समाजसेवकों और स्वयंसेवकों की टीम विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों से संवाद कर रही है। वे उन्हें बता रहे हैं कि कम उम्र में विवाह करना न केवल एक सामाजिक अपराध है, बल्कि बच्चों के मानसिक, शारीरिक और शैक्षिक विकास पर भी इसका गहरा असर पड़ता है।

विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के जिला प्रभारी वालचंद खपेड़िया, स्वयंसेवक श्री पारसिंह बारिया हमारा लक्ष्य समाज को यह समझाना है कि बाल विवाह बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेलता है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कहीं भी बच्चा अपनी शिक्षा और बचपन से वंचित न हो। जिला प्रशासन ने भी इस मुहिम को पूरा समर्थन दिया है और इस अभियान के अंतर्गत आने वाली किसी भी सूचना पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है, जिस पर बाल विवाह की सूचना दी जा सकती है। यह अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में बदलाव लाने का एक प्रयास है, जो तभी सफल होगा जब हम सब मिलकर इस कुप्रथा के विरुद्ध खड़े होंगे।

सेन जयंती पर निकला चल समारोह हुआ स्वागत

उज्जैन

संत शिरोमणि जी की जयंती के 725 जयंती के अवसर पर सेन समाज द्वारा खाचरोद नगर भव्य चल समारोह निकाला गया ! चल समारोह नीलकंठ मंदिर बस स्टैंड से प्रारंभ हुआ जो नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होता हुआ, उज्जैन दरवाजा सेनजी महाराज के मंदिर पर पहुंचा जहा आरती के साथ इसका समापन हुआ नगर में निकाले गए भव्य चल समारोह का भारतीय जनता पार्टी द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया । भाजपा मंडल द्वारा स्वागत किया जहा शोभायात्रा में रथ पर सवार सेन जी महाराज के चित्र व तोताराम जी महाराज का पुष्प माला से स्वागत किया गया । स्वागत के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, मंडल अध्यक्ष मनीषा अखिलेश शर्मा , ग्रामीण मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पाटीदार, पर्वतसिंह सोलंकी, वरिष्ठ नेता अनोखीलाल भंडारी, अश्विन ढिंढोरकर , अमित सेठी ,अखिलेश शर्मा ,सौरभ जैन , विनोद चतुर्वेदी, सुनील माहेश्वरी ,प्रवीण नायक, गौरव शर्मा , प्रवीण रुनवाल, राजेश सोनी,इनकीसार अली, अंकित सोलंकी,चिराग नवलखा,लखन गुर्जर,भरत कांकर,मयंक गौतम,राजा चावला , एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जानकारी मीडिया प्रभारी सुमित गेलड़ा ने दी । इसके साथ ही मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा, खेड़ापति हनुमान सुंदर कांड समिति द्वारा, गायत्री परिवार के सदस्यों के साथ अन्य संगठनों के द्वारा भी स्वागत किया गया !

सोशल मीडिया पर 'ग्राउंड जीरो' को मिला प्यार, लोग बोले- इमरान की करियर बेस्ट परफॉर्मेंस

इमरान हाशमी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ग्राउंड जीरो' 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 'टाइगर 3' के बाद इमरान हाशमी ने बड़े पर्दे पर वापसी की है। उनकी इस फिल्म को सोशल मीडिया पर खूब सराहना मिल रही है। यूजर्स फिल्म को काफी प्यार दे रहे हैं। हालांकि, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन सिर्फ एक करोड़ रुपये कमाए, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का दिल जीतने में कामयाब रही। पढ़ते हैं यूजर्स ने फिल्म को लेकर कैसे रिएक्शन दिए?

नेटिजन्स ने की तारीफ

फिल्म 'ग्राउंड जीरो' बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे की कहानी पर आधारित है। फिल्म कुख्यात आतंकवादी 'गाजी बाबा' के खात्मे को दिखाती है। नेटिजन्स को फिल्म और उसकी कहानी दोनों ही काफी पसंद आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'अभी 'ग्राउंड जीरो' देखी। इमरान हाशमी ने एक सैन्य अधिकारी के रूप में अपने करियर का सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। यह एक शानदार फिल्म है। जरूर देखें।' एक अन्य ने लिखा, 'ग्राउंड जीरो' एक बेहतरीन एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। इसमें देशभक्ति के कुछ रोंगटे खड़े कर देने वाले पल भी हैं। इमरान हाशमी ने आश्चर्यजनक रूप से एक बीएसएफ अधिकारी के रूप में शानदार अभिनय किया है। और बाकी सभी कलाकार अपनी-अपनी भूमिकाओं में बिल्कुल ठीक हैं।'

एक और नेटिजन ने लिखा, 'कश्मीर में 38 साल बाद एक फिल्म दिखाई गई और यह सिनेमा से कहीं बढ़कर थी। ग्राउंड जीरो ने उन लोगों के दिलों को छू लिया, जिन्होंने इसकी वास्तविकता को जिया है। बीएसएफ जवानों ने फिल्म की प्रामाणिकता और भावनात्मक गहराई की प्रशंसा करते हुए इसे अपने अनुभवों का आईना बताया है।' बाकी की प्रतिक्रियाएं नीचे देखें=

'ग्राउंड जीरो' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन इमरान हाशमी की इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस से एक करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म के बजट की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह 35 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। उम्मीद है कि शनिवार और रविवार को फिल्म की कमाई में उछाल आएगा।

फिल्म की स्टार कास्ट इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' साल 2001 के भारतीय संसद हमले के बाद की घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में इमरान ने बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे की भूमिका निभाई है। इमरान के अलावा साई तम्हणकर, जोया हुसैन, मुकेश तिवारी, रॉकी रैना और गुनीत सिंह जैसे कलाकारों ने भी अहम किरदार निभाए हैं।

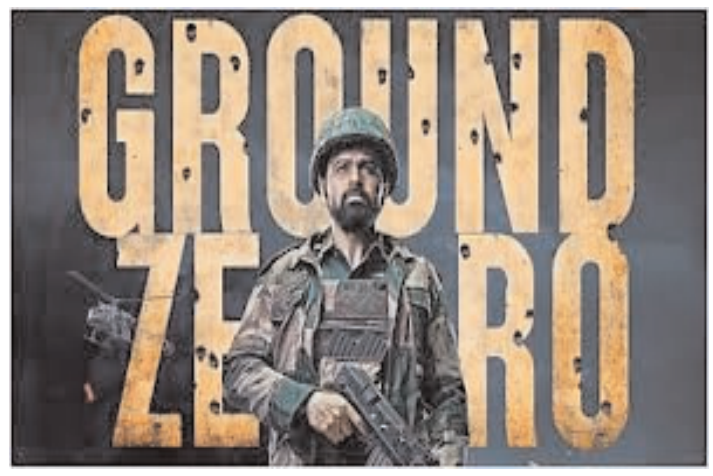

साई को रिलेशनशिप में मिला धोखा, बोलीं- 'अपने पार्टनर को यह बताने की हिम्मत होनी चाहिए'

हालिया रिलीज 'ग्राउंड जीरो' में इमरान हाशमी के साथ नजर आईं अभिनेत्री साई तम्हणकर ने एक्टिंग से परे अपनी व्यक्तिगत जिंदगी, प्यार, विश्वासघात और धोखे को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने रोमांटिक रिलेशनशिप को प्रभावित करने वाले कुछ इमोशनल पैटर्न के बारे में भी अपने विचार रखे।

साई को मिला रिश्ते में धोखा

हॉटरफ्लाई के साथ हालिया बातचीत में अभिनेत्री साई तम्हणकर ने अपने एक रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुए कहा, हां, बेशक मुझे धोखा मिला है। कम उम्र में धोखा दिया गया था। मुझे लगता है कि मेरे जीवन में बहुत पहले मेरे बहुत बुरे रिश्ते रहे हैं। मैंने इससे बहुत कुछ सीखा है। मुझे यह भी लगता है कि एक व्यक्ति के साथ रहना थोड़ा अप्राकृतिक है। मेरा मानना है कि चीट करने पर खुले तौर पर वापस आकर अपने पार्टनर को यह बताने की हिम्मत रखो कि मैंने यह किया है। आप दोनों इसके साथ शांति बनाए रखें।

साई ने बताया बहस के दौरान क्या करती हैं लड़कियां बहस के दौरान अक्सर अनसुलझे मुद्दों के फिर से उभर आने पर साई का कहना है, तब लड़की को हर लड़ाई में यह करने की जरूरत नहीं है। लेकिन लड़कियां ऐसा करती हैं। हर लड़ाई में, अगर कोई पुरानी बात है तो। मैंने भी यह किया है, इसलिए मैं यह कह रही हूं। वह ऐसा करती है, इसलिए ऐसा नहीं होना चाहिए। कमिटेड रिलेशनशिप में चिंता बनी रहने और धोखे का डर सा लगा रहने पर अभिनेत्री ने कहा, जब कोई रिश्ता बनता है, तो वह बेचैनी या वह भावना अभी भी जीवित रहती है। लेकिन यह वाकई में दूरी नहीं होती है।

2013 में की शादी, दो साल बाद हो गईं अलग साई तम्हणकर ने पहले विजुअल इफेक्ट आर्टिस्ट अमेय गोसावी से शादी की थी। दोनों ने 15 दिसंबर 2013 को शादी की, लेकिन 2015 में आपसी सहमति से अलग हो गए। हालांकि उन्होंने कभी भी अपने अलग होने का कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताया।

अक्षय कुमार को दुख देती हैं फिल्मों की आलोचनाएं, आखिर अभिनेता ने किस डर का किया जिक्र?

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अपनी पिछली दो फिल्मों स्काई फोर्स और केसरी 2 से काफी चर्चा में रहे हैं। हाल ही में अभिनेता की फिल्म केसरी 2 सिनेमाघरों में दिखाई जा रही हैं। हालांकि, इन दोनों फिल्मों की कमाई तो बहुत नहीं हुई, लेकिन फिल्म की कहानी और अभिनय को लेकर अभिनेता को खूब सराहना मिली। साथ ही कुछ आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। इसी बात को लेकर अक्षय कुमार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अक्षय कुमार ने क्या कहा?

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी फिल्म केसरी 2 के प्रमोशन के लिए कई समारोह और इंटरव्यू में शामिल हो रहे हैं। हाल ही में अभिनेता जी म्यूजिक इंडिया के यूट्यूब चैनल के इंटरव्यू में पहुंचे, जहां उन्होंने फिल्म को लेकर दर्शकों की आ रही

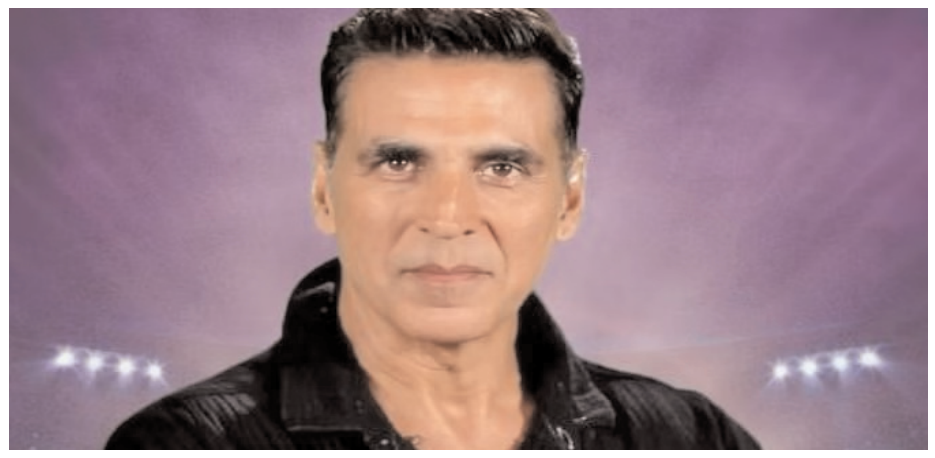

प्रतिक्रियाओं पर जवाब दिया। अभिनेता ने कहा, 'दर्शक ही सबकुछ हैं, जब वे मेरे लिए ताली बजाते हैं तो यह मुझे प्रोत्साहित करता है और जब वे आलोचना करते हैं तो मुझे सीखने को मिलता है। मैं हमेशा अपने काम को विकसित करना चाहता हूं, जब मुझे सच्ची प्रतिक्रिया दर्शकों से मिलती है तो उसे मैं नजरअंदाज नहीं करना चाहता चाहे वह अभिनय को लेकर हो या स्क्रिप्ट को लेकर। कई बार दर्शकों के कहने पर मैंने कुछ अलग किया।' आगे उन्होंने कहा कि आलोचनाएं उन्हें दुख देती हैं, लेकिन वह दिल से हो तो आपको बेहतर बनाने में मदद करती है।

अक्षय कुमार को किस बात से लगता है डर? आगे बातचीत में अक्षय कुमार ने कहा, हेलीकॉप्टर से गिरने के अलावा, मेरा सबसे बड़ा डर यह है कि जब मैं किसी दिन सो कर उठूं और मुझे कोई संदेश ना मिले। तब मैं समझ जाऊंगा कि अब मेरी जरूरत नहीं हैं। यही कारण हैं कि मैं कभी रूकना नहीं चाहता और इसी छोटी सी जिंदगी में हमेशा काम करना चाहता हूं। मैं तब आराम करुंगा, जब इस दुनिया में नहीं हूंगा।

एक नजर केसरी 2 की ओर

करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी फिल्म केसरी 2 में अक्षय कुमार ने एस शंकरन नायर की भूमिका निभाई है। यह फिल्म जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म ने अभी तक बॉक्स ऑफिस पर 50.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा आर माधवन, अन्यया पांडे ने मुख्य भूमिका निभाई है।

राखी सावंत ने सीमा हैदर के लिए उठाई आवाज, बोलीं- भारत की बहू को पाकिस्तान न भेजें

पाकिस्तानी मूल की सीमा हैदर ने साल 2023 में अवैध रूप से भारत आकर और ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा निवासी सचिन मीना से शादी की थी। वह अब एक बार फिर सुर्खियों में हैं। केंद्र सरकार ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ना होगा और 27 अप्रैल से उनकी वीजा सुविधा रद्द कर दी जाएगी। इस फैसले के बीच राखी सावंत ने सीमा हैदर का समर्थन करते हुए सरकार से भावुक अपील की है।

राखी ने किया सीमा का समर्थन

राखी ने कहा कि सीमा अब हिंदुस्तान की बहू हैं और उन्हें पाकिस्तान वापस नहीं भेजा जाना चाहिए। शुक्रवार (25 अप्रैल) शाम को राखी सावंत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने सीमा को भारत में रहने देने की वकालत की।

सीमा के लिए राखी ने कही ये बात राखी ने कहा, सीमा हैदर को पाकिस्तान नहीं भेजना चाहिए। वह अब भारत की बहू है, सचिन की पत्नी है और उनके बच्चे की मां है। भारत को सीमा के साथ ऐसा बर्ताव नहीं करना चाहिए। वह सचिन से प्यार करती है और अब हिंदुस्तानी बन चुकी है। एक औरत के साथ ऐसा अन्याय नहीं होना चाहिए।

हिंदू बन चुकी हैं सीमा: राखी सावं राखी ने आगे कहा, सीमा यूपी की बहू है। उसे भारत छोड़ने के लिए नहीं कहना चाहिए। हम नहीं जानते कि इसके पीछे कौन साजिश कर रहा है, लेकिन किसी बेगुनाह के साथ गलत नहीं करना चाहिए। हां, वह पाकिस्तानी थी, लेकिन अब वह भारत की बहू है। शादी के बाद वह हिंदू बन चुकी है और भारत के समर्थन में नारे भी लगाती है। वह एक औरत है, कोई फुटबॉल नहीं कि उसे इधर-उधर भेज दिया जाए। यह मेरी सरकार से गुजारिश है।

क्या है सीमा हैदर का मामला? 32 वर्षीय सीमा हैदर 2023 में अपने चार बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत आई थीं। उन्होंने 24 वर्षीय सचिन मीना से शादी की और हिंदू धर्म अपनाया। इस जोड़े की प्रेम कहानी ने खूब सुर्खियां बटोरीं, लेकिन सीमा की नागरिकता और अवैध प्रवेश को लेकर विवाद भी हुआ। अब सरकार के नए फैसले ने उनके भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्पोर्ट्स

चेपॉक पर हैदराबाद की पहली जीत, चेन्नई की प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग समाप्त; मैच रिपोर्ट और अंक तालिका

हर्षल पटेल की घातक गेंदबाजी और ईशान किशन की धमाकेदार बल्लेबाजी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हरा दिया। यह हैदराबाद की चेपॉक में पहली जीत है। शुक्रवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने 20 ओवर में 10 विकेट खोकर 154 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

हैदराबाद ने लगाई छलांग चेपॉक पर यह लगातार चेन्नई की चौथी हार है। वहीं, सत्र की सातवीं शिकस्त है। हैदराबाद इस जीत के साथ अंक तालिका में एक स्थान की छलांग लगाकर आठवें पायदान पर पहुंच गया है। नौ मैचों में तीन मैच जीत चुकी पैट कमिंस की टीम के खाते में छह अंक हैं और उनका नेट रन रेट -1.103 का है। वहीं, चेन्नई चार अंक और -1.302 के नेट रन रेट के साथ 10वें स्थान पर बनी हुई है। इस शिकस्त के साथ चेन्नई की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गई हैं।

हैदराबाद की पारी लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत झटके के साथ हुई थी। खलील अहमद ने पहली गेंद पर अभिषेक शर्मा को अपना शिकार बनाया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद ट्रेविस हेड और ईशान किशन ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी निभाई। आयुष कंबोज ने हेड को बोल्ड किया। वह 19 रन बनाकर आउट हुए। इस मुकाबले में ईशान किशन ने फॉर्म में वापसी की और 34 गेंदों में 44 रन बनाने में कामयाब हुए। इसके अलावा हेनरिक क्लासेन ने सात और अनिकेत वर्मा ने 19 रन बनाए। वहीं, कामिंदु मेंडिस और नीतीश कुमार रेड्डी क्रमशः 32 और 19 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई के लिए नूर अहमद ने दो विकेट झटके। वहीं, खलील, अंशुल और रवींद्र जडेजा को एक-एक सफलता मिली।

चेन्नई की पारी इस मैच में चेन्नई की शुरुआत झटके के साथ हुई। मोहम्मद शमी ने पहली गेंद पर शेक रशीद को अपना शिकार बनाया। वह अपना खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद हर्षल पटेल ने तीसरे नंबर पर आए सैम करन को पवेलियन की राह दिखाई। 47 पर आयुष म्हात्रे को कमिंस ने आउट किया। वह 30 रन बना पाए। इस मैच में सीएसके की तरफ से डेवाल्ड ब्रेविस ने सर्वाधिक 42 रन बनाए। उनके अलावा दीपक हुड्डा ने 22, रवींद्र जडेजा ने 21 और शिवम दुबे ने 12 रन बनाए। अपने करियर का 400वां टी20 मैच खेलने उतरे धोनी सिर्फ छह रन बना पाए। वहीं, अंशुल कंबोज और नूर अहमद सिर्फ दो-दो रन बनाकर आउट हो गए। खलील अहमद एक रन बनाकर नाबाद रहे।हैदराबाद के लिए हर्षल पटेल ने चार विकेट जबकि पैट कमिंस और जयदेव उनादकट ने दो-दो विकेट झटके। इसके अलावा मोहम्मद शमी और कामिंदु मेंडिस को एक-एक सफलता मिली।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ धोनी ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 400वां टी20 खेलने वाले 25वें खिलाड़ी बने

चेन्नई सुपर किंग्स (कप्तान) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले मुकाबले के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। धोनी का यह 400वां टी20 मुकाबला है और वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले 25वें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले अब तक 24 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने करियर में 400 या इससे अधिक टी20 मुकाबले खेले हैं। सीएसके और हैदराबाद के बीच शुक्रवार को आईपीएल 2025 का मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम पर खेला जा रहा है जिसमें सनराइजर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया है। सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल का 18वां सत्र कुछ खास नहीं रहा है। दोनों टीमें छह-छह हार के बाद अंक तालिका में क्रमशः नौवें और 10वें पायदान पर हैं। दोनों टीमों के लिए एक भी हार आगे के लिए दरवाजे बंद कर सकती है।

बीच सीजन संभाली कप्तानी सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोट के कारण आईपीएल के शेष सत्र से बाहर हो गए थे जिस कारण धोनी को सत्र के बीच में कप्तानी संभालनी पड़ी। धोनी ने पांच बार आईपीएल का खिताब जीता है और वह इस लीग के सबसे सफल कप्तान हैं। धोनी ने पिछले सीजन से ठीक पहले सीएसके की कमान छोड़ दी थी जिसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ टीम के कप्तान बनाए गए थे।

400 टी20 खेलने वाले चौथे भारतीय धोनी 400 टी20 मुकाबला खेलने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा, दिनेश कार्तिक और विराट कोहली

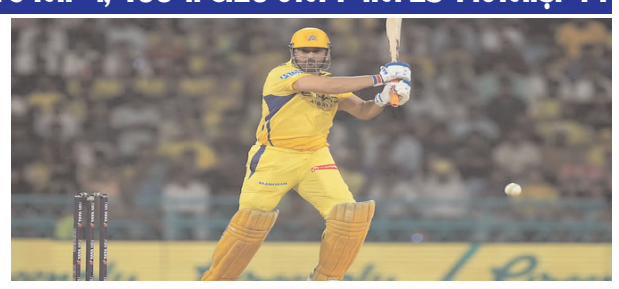

इस प्रारूप में 400 मैच खेलने की उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। सबसे ज्यादा टी20 मुकाबले खेलने वाले भारतीय का रिकॉर्ड रोहित के नाम है जिन्होंने अबतक 456 टी20 मैच खेले हैं। इस मामले में दूसरे स्थान पर कार्तिक हैं जिन्होंने 412 मैच और तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 407 मैच खेले हैं। अब इस सूची में धोनी का भी नाम जुड़ गया है।

अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर खेल रहे हैं धोनी धोनी ने कुछ साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। आईपीएल नियम के अनुसार पांच साल या इससे अधिक समय पहले संन्यास ले चुके खिलाड़ी को अनकैप्ड प्लेयर माना जाता है इसलिए सीएसके ने आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी से पहले धोनी को अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर रिटेन किया था। धोनी ने हाल ही में संकेत दिए थे कि उनमें कुछ वर्ष और खेलने की क्षमता शेष है।

कामिंदु मेंडिस ने बाउंड्री पर पकड़ा हैरतअंगेज कैच, डेवाल्ड ब्रेविस भी रह गए हैरान; फैंस हुए कायल

आईपीएल 2025 का 43वां मैच चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में हैदराबाद ने सीएसके को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है। चेपॉक में जारी इस मैच में हैदराबाद के घातक ऑलराउंडर कामिंदु मेंडिस ने शानदार कैच लेकर सभी को हैरान कर दिया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ब्रेविस ने लपका शानदार कैच चेन्नई के लिए आईपीएल में डेब्यू मैच खेलने उतरे डेवाल्ड ब्रेविस शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने 25 गेंदों में एक चौके और चार छक्के की मदद से 42 रनों की धुआंधार पारी खेली। 13वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हर्षल पटेल के खिलाफ दाएं हाथ के बल्लेबाज ने लॉन्ग ऑफ की तरफ शॉट खेला लेकिन वहां से थोड़ी दूरी पर मौजूद कामिंदु मेंडिस ने जबरदस्त छलांग लगाकर कैच लपक लिया। शुरुआत में लग रहा था कि वह यह कैच नहीं पकड़ पाएंगे लेकिन मेंडिस ने सुपरमैन बनकर गेंद लपक ली। उनके इस कारनामे को देखकर हर कोई हैरान रह गया। ब्रेविस खुद चौंक गए। वहीं, कमेंटेटर ने इस कैच को कैच ऑफ द टूर्नामेंट करार दिया।

कलकत्ता हाई कोर्ट में वकील से मारपीट का आरोप, तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज

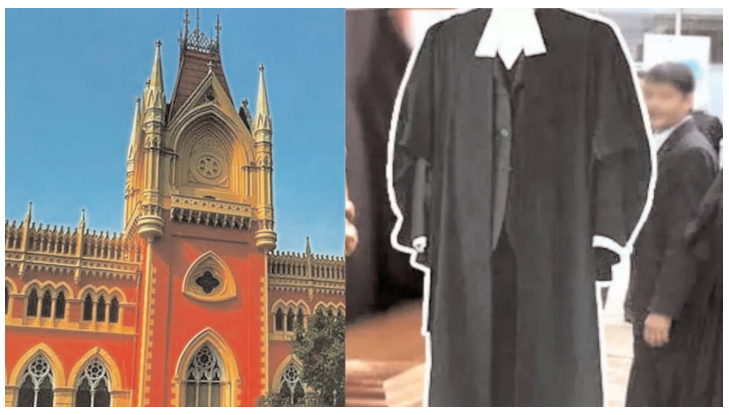

कोलकाता । कलकत्ता हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और चार बार के तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी पर एक अन्य वकील के साथ कोर्ट परिसर में पीटने का आरोप लगा है। पीड़ित अधिवक्ता अशोक कुमार नाथ ने कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कल्याण बनर्जी ने उन्हें गालियां दीं, कॉलर पकड़कर घसीटा और चेहरे पर मुक्का मारकर घायल कर दिया।यह घटना गुरुवार सुबह लगभग 11 बजे कोर्ट नंबर 11 के बाहर हुई, जो न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति रीतोब्रत कुमार मित्रा की डिवीजन बेंच है। उस समय कोर्ट की कार्यवाही स्थगित थी।नाथ ने बताया कि उन्होंने कोर्ट के भीतर तृणमूल सांसद सौगत राय को लेकर बनर्जी द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों का विरोध किया था। इसके बाद कोर्ट से बाहर आकर बनर्जी ने उन्हें अपशब्द कहे और मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बनर्जी ने अपने कुछ अधिवक्ता साथियों को भी हमला करने के लिए बुलाया।

नाथ ने मीडिया से कहा, मैंने सौगत राय को लेकर की गई उनकी अभद्र टिप्पणियों का विरोध किया था, इसी पर वह भड़क गए और मुझ पर हमला कर दिया। मेरे चेहरे पर चोटें आईं और खून भी निकला। नाथ ने थाने को सौंपी गई अपनी शिकायत को ही प्राथमिकी के रूप में दर्ज करने का अनुरोध किया है। उधर, कल्याण बनर्जी ने इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा, मैंने किसी पर हमला नहीं किया। वह मुझे बार-बार झूठे आरोपों से उकसा रहे थे। मैंने सिर्फ उन्हें एक ओर हटाया था। इस पूरे मामले पर अब तक तृणमूल कांग्रेस के किसी अन्य नेता की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कोलंबिया विवि के छात्र और फिलिस्तीन समर्थक खलील को बिना वारंट हिरासत में लेने का खुलासा

वाशिंगटन। फिलिस्तीन समर्थक और कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र महमूद खलील को पिछले महीने बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। सीरिया में जन्मे और ग्रीन कार्ड धारक खलील को 8 मार्च को रमजान के दौरान इफ्तार से लौटने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

एनबीसी न्यूज चैनल के अनुसार, गुरुवार को जारी किए गए अदालती दस्तावेजों से इसकी पुष्टि हुई है कि खलील को बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। अदालती दस्तावेजों में होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों ने कहा कि आव्रजन अधिकारियों के पास %%वारंट रहित गिरफ्तारी करने के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ थीं%%। यह आशंका थी कि वह वह सहयोग नहीं करेगा और भागने की फिराक में है। संघीय आव्रजन अधिकारियों ने कहा कि उन्हें विश्वास था कि उसके भागने का जोखिम है। इसलिए गिरफ्तारी आवश्यक थी।

चैनल के अनुसार, गिरफ्तारी के वीडियो फुटेज में खलील को सहयोग करते हुए और अधिकारियों से यह कहते हुए दिखाया गया है, %%हां, मैं आपके साथ चलने के लिए तैयार हूं।%% खलील इस समय लुइसियाना में एक इमिग्रेशन डिटेंशन सुविधा में हिरासत में है। खलील की पत्नी नूर अब्दुल्ला ने पिछले दिनों पहले बच्चे के जन्म दिया है।

खलील के वकीलों का तर्क है कि उनके मुवक्किल के अपार्टमेंट बिल्डिंग में प्रवेश करने के लिए वारंट की आवश्यकता थी। खलील की कानूनी टीम मामले को खारिज करने की मांग कर रही है। टीम का दावा है कि उसने गिरफ्तारी के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग किया और यह साबित करने के लिए कोई सबूत पेश नहीं किया गया है कि वह भागने का जोखिम था। होमलैंड सुरक्षा विभाग की सहायक सचिव ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने शुक्रवार को एक ई-मेल बयान में कहा, खलील ने भागने की कोशिश की, इसलिए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके यहां जाते समय प्रशासनिक गिरफ्तारी वारंट निष्पादित किया गया था। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने इस मामले में किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उधर, ट्रंप प्रशासन ने आठ मार्च को न्यूयॉर्क शहर में खलील की गिरफ़्तारी के बाद से उसे अमेरिका से निर्वासित करने के लिए दो आधार प्रस्तुत किए हैं। प्रशासन ने इमिग्रेशन कानून में एक प्रावधान का हवाला दिया जो राज्य के सचिव को किसी व्यक्ति को निर्वासित करने का अधिकार देता है। दूसरा आधार 23 मार्च को सार्वजनिक किया गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि खलील ने कुछ संगठनों में अपनी सदस्यता के बारे में जानकारी छुपाई और अपने स्थायी निवास आवेदन में बेरूत में ब्रिटिश दूतावास में सीरिया कार्यालय में अपने रोजगार का खुलासा करने में विफल रहा।

जम्मू-कश्मीर मुठभेड़ में शहीद हवलदार झंटू अली शेख का पार्थिव शरीर बंगाल पहुंचा एयरपोर्ट पर गूंजे अमर रहे के नारे

कोलकाता। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद भारतीय सेना के विशेष बलों के जवान हवलदार झंटू अली शेख का पार्थिव शरीर शुक्रवार देररात नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। शव को जब तिरंगे में लिपटे ताबूत में लाया गया, तो मौके पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम ने शहीद को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।इस दौरान हवाई अड्डे पर भारी संख्या में लोग इकट्ठा हुए और %भारत माता के वीर सपूत झंटू शेख अमर रहे% के नारों से वातावरण गूंज उठा। पार्थिव शरीर को कोलकाता के एक शवगृह में रखा गया। पार्थिव शरीर को शनिवार सुबह नदिया जिले स्थित उनके पैतृक गांव ले जाया गया है।शहीद झंटू अली शेख अपने पीछे पत्नी, एक बेटी और एक बेटे को छोड़ गए हैं। वह तीन भाइयों में से एक थे, जिनमें से बड़े भाई रफीकुर शेख भी सेना में हैं। शेख की पत्नी ने मीडिया से कहा कि वह अब तक इस सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पा रही हैं कि उनके पति अब कभी लौटकर नहीं आएंगे, न ही अपने बेटे और आसपास के बच्चों के साथ खेलेंगे। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह उन्हें शेख का संदेश मिला था कि वे व्यस्त हैं और अगली सुबह बात करेंगे।उन्होंने कहा, संदेश पढ़ने के बाद मैंने बेटे को स्कूल भेजा और अपने दिन के कामों में लग गई। लेकिन दोपहर में खबर मिली कि उन्हें गोली लगी है, लेकिन हालत स्थिर है। मुझे लगा वह जल्द ठीक हो जाएंगे, पर फिर असली खबर आई। वह बोलीं, मेरे पति देश के लिए समर्पित थे। ऑपरेशन के बारे में कभी कुछ नहीं बताते थे। उनके लिए पहले देश था, फिर परिवार और बाकी सब।नदिया जिले स्थित उनके गांव में मातम पसरा हुआ है। शेख को जानने वाले उन्हें एक शांत, दयालु और अनुशासित इंसान के रूप में याद कर रहे हैं, जिनका सपना वर्दी पहनकर देश की सेवा करना था। सेना के मुताबिक, शेख सेना की छह पैरा स्पेशल फोर्स के जवान थे। गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डूधू-बसंतगढ़ इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया था, जिसमें मुठभेड़ के दौरान वह बलिदान हो गए।

पाकिस्तान में सिंधु पर नहर परियोजना का विरोध, आंदोलन से डरी सरकार

कराची। पाकिस्तान का सिंध प्रांत संघीय सरकार की सिंधु नदी पर नहरों का जाल बिछाने की योजना के खिलाफ उबल रहा है। राजधानी कराची से लेकर गांव और शहरों के लोगों ने बगावत का झंडा उठा लिया है। अरब सागर के तट पर बसे कराची में अशांति की लपटें उठ रही हैं। नहर प्रदर्शनकारियों के धरना समाप्त करने से इनकार करने की वजह से करीब 15 हजार मालवाहक वाहन बीच रास्ते में फंस गए हैं।

डॉन अखबार की खबर के अनुसार, नहर प्रदर्शनकारियों को संघीय सरकार के आश्वासन पर भरोसा नहीं है। उन्होंने धरना समाप्त करने से इनकार कर दिया है। हालांकि आंदोलन से भयभीत संघीय सरकार ने सिंधु नदी पर विवादास्पद नहर परियोजना को रोकने का निर्णय लिया है। ट्रांसपोर्टरों ने शुक्रवार को कहा कि आंदोलन के कारण देश की आपूर्ति श्रृंखला में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। ट्रांसपोर्ट गुड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तारिक गुज्जर ने कहा कि सड़कों पर लगाए गए अवरोधों के कारण सुक्कुर-लरकाना डिवीजन और बहावलपुर के आसपास 15,000 से अधिक ट्रॉलर, कंटेनर, ट्रक और तेल टैंकर फंसे हुए हैं। गुज्जर का कहना है कि आंदोलन में वकीलों के कूद जाने से हालात और बिगड़ गए हैं। प्रदर्शनकारी दो मई का इंतजार कर रहे हैं। संघीय सरकार ने घोषणा की है कि नहर परियोजनाओं को रोकने की आधिकारिक अधिसूचना का दो मई को जारी होगी।

संघीय सरकार ने गुरुवार को घोषणा की कि प्रस्तावित नहर परियोजना तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि दो मई को होने वाली काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट्स की बैठक में आम सहमति नहीं बन जाती। हालांकि, शुक्रवार रात पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी और प्रदर्शनकारी वकीलों का प्रतिनिधित्व करने वाले एडवोकेट आमिर वराइच के बीच बैठक हुई है। इस बीच, सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने प्रदर्शनकारियों से अवरुद्ध राजमार्गों को खोलने और माल की आवाजाही को फिर से शुरू करने की अपील की है।

करांची चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष जावेद बिलवानी ने पिछले 10-12 दिनों में निर्यात ऑर्डर और स्थानीय उत्पादन में 500 बिलियन रुपये (1.8 बिलियन डॉलर) से अधिक के संचयी नुकसान का अनुमान जताया है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) सिंध के महासचिव राशिद महमूद सूमरो ने संघीय सरकार के मौखिक आश्वासन को खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार के सिंधु जल संधि को स्थगित करने से पाकिस्तान में कोहराम मचा हुआ है।

व्यापार

क्रेडिफिन लिमिटेड ने 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए

नई दिल्ली: भारत के मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध एनबीएफसी क्रेडिफिन लिमिटेड (पूर्व में पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड) ने इक्विटी और ऋण के रूप में 24.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 213.6 करोड़ रुपए) की पूंजी जुटाई है। इस फंडिंग में 6.7त्न इक्विटी और 93.3त्न ऋण शामिल है। कंपनी इस राशि का उपयोग तेजी से बढ़ते परिचालन, नए भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार और वंचित समुदायों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने के लिए करेगी।

क्रेडिफिन लिमिटेड एक जमा न लेने वाली एनबीएफसी है, जो मुख्य रूप से अचल संपत्ति के बदले बंधक ऋण और ई-रिक्शा, ई-लोडर, दोपहिया ई-वाहनों के लिए फाइनेंसिंग करती है। इसका मुख्यालय जालंधर और इसका कॉर्पोरेट कार्यालय दिल्ली-एनसीआर में है। कंपनी की मौजूदगी देश के 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 200 से ज्यादा लोकेशन तक फैली है और यह 700 से अधिक लोगों को रोजगार देती है।

फंडिंग में शामिल प्रमुख ऋणदाता

इस राउंड में कई नए कर्जदाता जुड़े हैं जिनमें नॉर्दर्न आर्क कैपिटल, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, किसानधन एग्री फाइनेंशियल सर्विसेज, इलेक्ट्रॉनिका फाइनेंस लिमिटेड और मानवीय डेवलपमेंट एंड फाइनेंस जैसे नाम शामिल हैं। मौजूदा कर्जदाताओं में एसबीआई, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, चोलामंडलम, विवृति कैपिटल, श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस, एमएएस फाइनेंशियल और अन्य शामिल हैं।

सीईओ शल्य गुप्ता ने कहा, हमारे ऋणदाताओं और निवेशकों का दोबारा भरोसा हमारे मॉडल की मजबूती का प्रमाण है। डिजिटल भुगतान में हमारी हिस्सेदारी 80त्न से अधिक है, जो हमारे आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती को दर्शाता है।

क्रेडिफिन का उद्देश्य पारंपरिक ऋण व्यवस्था से दूर छूटे हुए वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही तक 312 करोड़ रुपए के एयूएम के साथ आगे बढ़ रही है।

कंपनी की नजर अब तेज विकास और नए उत्पादों की पेशकश पर है, जिसके लिए भविष्य में भी पूंजी जुटाने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

पहलगाम हमले के विरोध में दिल्ली व्यापार बंद, 1,500 करोड़ का

बिजनेस डेस्क: पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ देशभर में गुस्सा है और इसका असर शुक्रवार को दिल्ली के व्यापारिक बाजारों में भी देखने को मिला। राजधानी के 900 से अधिकबाजारों की करीब 8 लाख दुकानें बंद रहीं, जिससे करीब 1,500 करोड़ रुपए का कारोबार ठप हो गया।

व्यापारियों ने जताया विरोध, निकाले मौन मार्च और कैंडल मार्च दिल्ली के विभिन्न बाजारों में व्यापारियों ने श्रद्धांजलि सभाएं, मौन मार्च और कैंडल मार्च निकालकर हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान राष्ट्रगान भी गाया गया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट संघर्ष का संकल्प लिया गया।

पाकिस्तान से व्यापार संबंध तोड़ने की मांग

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स और दिल्ली व्यापार महासंघ समेत 100 से अधिक व्यापारी संगठनों ने व्यापार बंद का आह्वान किया था। CAIT के महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, अब समय आ गया है कि पाकिस्तान से सभी प्रकार के व्यापारिक संबंध समाप्त कर दिए जाएं। उन्होंने बताया कि कैट की नेशनल गवर्निंग काउंसिल की अगली बैठक में पाकिस्तान से आयात-निर्यात बंद करने का प्रस्ताव रखा जाएगा।

दिल्ली के चांदनी चौक, कनॉट प्लेस, करोल बाग, सदर बाजार, खारी बावली, लाजपत नगर, साउथ एक्स, राजौरी गार्डन, गांधी नगर, शाहदरा, पीतमपुरा, ग्रेटर कैलाश, और विकासपुरी समेत सैकड़ों बाजारों में व्यापार पूरी तरह बंद रहा। व्यापारियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। व्यापारी संगठनों का यह विरोध न केवल आतंकी हमले के खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन है, बल्कि यह सरकार से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग का स्पष्ट संदेश भी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569